दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

राम चरण की पेड्डी में शामिल हुईं श्रुति ...8

सिद्धार्थनगर
गुरुवार, 07 मई 2026
वर्षः 13 अंक : 138 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, कैबिनेट की मंजूरी: अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा–जुर्माना

पश्चिम बंगाल और असम में शानदार जीत के बाद, नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रगान वंदे मातरम को जन गण मन के समान दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी – इन चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश – के चुनाव परिणामों के बाद मंगलवार को हुई पहली कैबिनेट बैठक में लिया गया। मंत्रियों ने पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत बताते हुए प्रधानमंत्री को बधाई भी दी। अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम संबंधी अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दे दी है ताकि वंदे मातरम को भी उसी कानूनी ढांचे के अंतर्गत लाया जा सके जो वर्तमान में राष्ट्रगान को संरक्षण प्रदान करता है। इसके लागू होने के बाद, वंदे मातरम के गायन के दौरान किसी भी प्रकार का अनादर या बाधा डालना संज्ञेय अपराध माना जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज, संविधान या राष्ट्रगान के अपमान से जुड़े मामलों में दंड का प्रावधान है, जिसमें कारावास, जुर्माना या दोनों शामिल हैं। प्रस्तावित संशोधन वंदे मातरम पर भी इन प्रावधानों को लागू

करेगा, जिसका अर्थ है कि उल्लंघन करने पर भी इसी तरह के कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। मौजूदा नियमों के तहत, कोई भी व्यक्ति जो जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे बाधित करता है, उसे 3 साल तक का कारावास, जुर्माना या दोनों का सामना करना पड़ सकता है। बार–बार अपराध करने वालों को कम से कम एक साल की कैद की सजा हो सकती है। उम्मीद है कि संशोधन लागू होने के बाद ये प्रावधान राष्ट्रगान पर भी लागू होंगे। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और सांस्कृतिक इतिहास में विशेष स्थान है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब देश इस प्रतिष्ठित रचना की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है, जिससे मंत्रिमंडल के इस निर्णय का प्रतीकात्मक महत्व और भी बढ़ जाता है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज के अनादरपूर्ण उपयोग को रोकने के लिए 2005 में भी इसी प्रकार के संशोधन किए गए थे। पिछले वर्ष दिसंबर में संसद में हुई एक विशेष चर्चा के दौरान भी वंदे मातरम को समान दर्जा देने की मांग उठाई गई थी, जो इसकी 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की गई थी।

बंगाल में सुवेंदु अधिकारी के पीए की गोली मारकर हत्या

गाड़ी घेरकर की अंधाधुंध फायरिंग

नई दिल्ली। बंगाल में राजनीतिक हिंसा का तांडव एक बार फिर चरम पर है। बुधवार रात उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में बेखौफ बदमाशों ने भाजपा के कद्दावर नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। हमलावरों ने इस वारदात को उस समय अंजाम दिया जब रथ अपनी गाड़ी से जा रहे थे।

स्थानीय सूत्रों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार तीन हमलावर दोहारिया इलाके में चंद्रनाथ की गाड़ी का पीछा कर रहे थे। मौका पाकर बदमाशों ने गाड़ी को घेर लिया और बेहद करीब से कई राउंड फायर किए। गोलियों की तड़तड़ाहट से इलाका दहल उठा। इस हमले में गाड़ी में मौजूद उनके सहयोगी बुद्धदेव बेरा भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सुवेंदु अधिकारी अस्पताल पहुंच गए हैं।

भवानीपुर चुनाव के रणनीतिकार थे रथ

मूल रूप से पूर्व मेदिनीपुर के निवासी चंद्रनाथ रथ, भाजपा के रणनीतिक गलियारों में एक जाना–माना नाम थे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भवानीपुर विधानसभा चुनाव के दौरान सुवेंदु अधिकारी की टीम के वह सबसे प्रमुख चेहरों में से एक थे।

प्रशासनिक विफलता या सोची–समझी साजिश?

इस हत्याकांड के बाद बंगाल की सियासत में उबाल आ गया है। भाजपा ने इसे श्राजनीतिक हत्याश करार देते हुए कानून–व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं, पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

तमिलनाडु में कांग्रेस बनी किंगमेकर, एक्टर विजय आज लेंगे सीएम पद की शपथ, राहुल गांधी भी होंगे शामिल

तमिलनाडु कांग्रेस नेताओं ने चेन्नई स्थित टीवीके मुख्यालय में टीवीके प्रमुख विजय को समर्थन पत्र सौंपा। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस विधानमंडल दल (सीएलपी) ने टीवीके को सरकार बनाने के लिए पूर्ण समर्थन देने का निर्णय लिया है। विजय कल सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद राज्य में तेजी से बदलते राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बुधवार को तमिलनाडु में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की संभावना है। यह घटनाक्रम तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस विधानमंडल दल (सीएलपी) द्वारा अभिनेता–राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम

(टीवीके) को सरकार बनाने के लिए पूर्ण समर्थन देने के निर्णय के बाद सामने आया है। इससे पहले, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने चेन्नई स्थित टीवीके मुख्यालय में विजय से मुलाकात कर पार्टी के समर्थन से अवगत कराया था। हालांकि कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस, द्रमुक के साथ संपर्क में है और एमके स्टालिन की पार्टी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है। द्रमुक और कांग्रेस वर्ष 2004 से एक दूसरे की सहयोगी हैं। अतीत में भी कुछ मौकों पर दोनों का गठबंधन रहा है। टीवीके के नेता विजय ने कांग्रेस नेतृत्व को पत्र लिखकर समर्थन का आग्रह किया था, जिसके बाद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने इस पर विचार किया और फिर तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी को निर्देशित किया गया कि वह राज्य की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय ले। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में विजय को समर्थन देने के फैसले पर मुहर लगाई गई। इसी बैठक में कन्याकुमारी किल्लियूर विधानसभा क्षेत्र से विधायक एस राजेश कुमार को विधायक दल का नेता भी चुना गया। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके को 108 सीटें हासिल हुई हैं, जिनमें से दो सीटों पर खुद विजय निर्वाचित हुए हैं। ऐसे में सरकार बनाने के लिए टीवीके को 11 और विधायकों के समर्थन की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायक निर्वाचित हुए हैं। कांग्रेस अब तक द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा थी।

मिशन 2027: अखिलेश यादव का बड़ा यू-टर्न, बंगाल में टीएमसी की हार के बाद आई-पीएसी से तोड़ा नाता

लखनऊ। खबरों के मुताबिक, समाजवादी पार्टी ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक सलाहकार फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई–पीएसी) के साथ प्रस्तावित समझौते को रद्द करने का फैसला किया है। यह कदम पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस के खराब प्रदर्शन और कथित बंगाल कोयला तस्करी मामले में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा

आई–पीएसी निदेशक विनेश चंदेल की गिरफ्तारी सहित हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर उठाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, सपा और आई–पैक के बीच समझौता लगभग अंतिम रूप ले चुका था, और कंपनी ने पार्टी नेतृत्व को अपना चुनावी खाका भी पेश कर दिया था। हालांकि, अभी तक कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ था। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने संकेत दिया कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव आई–पैक को नियुक्त करने के इच्छुक नहीं थे और उन्होंने टीएमसी नेतृत्व के कहने पर ही आई–पैक की प्रस्तुति पर विचार किया था।

बच्चों के मन में झूठ का बीज बो रही हैं अंग्रेजी कविताएं

जॉनी–जॉनी यस पापा पर भड़के यूपी के मंत्री

उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने 6 मई को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि श्जॉनी जॉनी यस पापाश जैसी लोकप्रिय अंग्रेजी कविताएं भारतीय मूल्यों का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं और बच्चों में झूठ बोलने की प्रवृत्ति पैदा करती हैं। कानपुर के मर्चेंट चौंबर हॉल में शिक्षा मित्रों (पैरा टीचर और संविदा शिक्षकों) की एक सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने

पश्चिमी और पूर्वी मूल्यों के बीच अंतर पर भी बहस छेड़ दी, जो बच्चों के जीवन को प्रभावित करते हैं। अपने भाषण में मंत्री जी ने शिक्षकों से पाठ्यक्रम के साथ–साथ मूल्यों को सिखाने वाली प्रणाली विकसित करने का आग्रह किया। भारत की प्राचीन गुरु–शिष्य परंपरा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक छात्रों में मूल्यों का संचार तभी कर पाएंगे जब वे इस प्राचीन परंपरा का सम्मान करेंगे और स्वयं गुरु की भूमिका निभाएंगे।

हिंदुस्तान में ब्लास्ट होते रहते हैं, कौन सी नई बात है पंजाब ब्लास्ट पर फारुक अब्दुल्ला का विवादित बयान

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पंजाब में हाल ही में हुए दोहरे विस्फोटों पर अपनी प्रतिक्रिया देकर विवाद खड़ा कर दिया है, उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में धमाके होते रहते हैं, कौन सी नई बात है। आपको बता दें कि पंजाब के जालंधर में हुए विस्फोट के करीब तीन घंटे बाद अमृतसर में खासा के सेना छावनी क्षेत्र के पास मंगलवार देर रात एक और विस्फोट हुआ। जालंधर में मंगलवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पंजाब फ्रंटियर के मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ था। पुलिस के अनुसार, फिलहाल दोनों विस्फोट की जांच जारी है और किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। पहला विस्फोट जालंधर में रात करीब आठ बजे हुआ, जबकि दूसरा धमाका रात करीब 11 बजे अमृतसर में हुआ। अमृतसर (ग्रामीण) के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुहैल मीर कासिम ने बताया कि पुलिस को रात करीब 11 बजे खासा की एक सड़क पर धमाके की तेजआवाज की सूचना मिली।

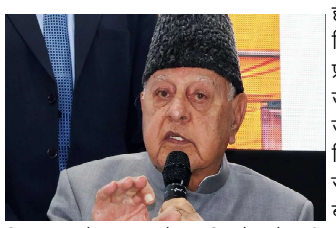

सांसद की पहल रंग लाई, सिद्धार्थनगर को मिली रेल विकास की बड़ी सौगात

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल ने अपने आवास कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में क्षेत्र के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय की ओर से सिद्धार्थनगर समेत पूरे तराई क्षेत्र के लिए कई नई रेल परियोजनाओं और सेवाओं को मंजूरी दी गई है, जिससे आने वाले समय में क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। सांसद ने जानकारी दी कि दिल्ली से गोरखपुर के बीच वाया सिद्धार्थनगर, बलरामपुर और गोंडा मार्ग पर अमृत भारत रेल सेवा शुरू करने की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा गोरखपुर के नकहा जंगल से बढ़नी होते हुए लखनऊ तक एक नई यात्री ट्रेन चलाने का प्रस्ताव भी मंजूर हुआ है। इन सेवाओं के शुरू होने से रोजाना यात्रा करने वाले छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को काफी सुविधा मिलेगी और समय की बचत भी होगी। उन्होंने बताया कि बहुप्रतीक्षित बहराइच–खलीलाबाद नई रेल लाइन परियोजना पर तेजी से कार्य चल रहा है। अब तक लगभग 50 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण पूरा किया जा चुका है, जबकि वन भूमि से जुड़ी प्रक्रियाएं अंतिम चरण में हैं। परियोजना के पूर्ण होने पर यह क्षेत्र रेल नेटवर्क से और अधिक मजबूत तरीके से जुड़ जाएगा। शोहरतगढ़ और हृदयनगर रेलवे

स्टेशनों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शोहरतगढ़ स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव बढ़ाने और यात्रियों के लिए सुविधाओं के विस्तार को लेकर रेलवे स्तर पर विचार–विमर्श जारी है। इसके साथ ही गोरखपुर से डालीगंज और नकहा से गोंडा के बीच मेमू और डेमू ट्रेनों के संचालन की योजना तैयार की जा रही है, जिससे स्थानीय यात्रियों को सस्ती और सुगम यात्रा का विकल्प मिलेगा। सांसद ने बताया कि गोरखपुर से आनंद विहार के बीच चलने वाली हमसफर एक्सप्रेस को प्रतिदिन चलाने की मांग रेलवे बोर्ड के समक्ष रखी गई है, जिस पर सकारात्मक विचार किया जा रहा है। वहीं, कानपुर से गोरखपुर तक संचालित चौरी–चौरा एक्सप्रेस को बढ़नी तक विस्तारित करने की प्रक्रिया परीक्षण स्तर पर है, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को भी सीधी रेल सुविधा मिल सकेगी। पत्रकार वार्ता के दौरान सांसद ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा भेजे गए पत्रों को भी साझा किया और कहा कि ये परियोजनाएं तराई क्षेत्र के विकास की मजबूत आधारशिला साबित होंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में सिद्धार्थनगर तेजी से विकास करेगा और आकांक्षात्मक जनपद की श्रेणी से बाहर निकलकर एक विकसित जिले के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि वर्ष 2027 तक जिले की सभी तहसीलों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी से जोड़ा जाए, ताकि शिक्षा, व्यापार और रोजगार के नए अवसर पैदा हों।" इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, फतेह बहादुर सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। घोषणाओं के बाद कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला और इसे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक पहल बताया गया।

केरल सीएम की कुर्सी पर सस्पेंस बरकरार, सोनिया गांधी से मिले केसी वेणुगोपाल और चेन्नियला

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला बुधवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर पहुंचे। विधानसभा चुनावों में मिली शानदार जीत के बाद पार्टी को अभी केरल के अगले मुख्यमंत्री का चयन करना बाकी है। केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला, विपक्ष के नेता वीडी सतीशन के साथ केरल के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। इससे पहले चेन्निथला ने कहा था कि इन सभी मुद्दों पर अंतिम फैसला पार्टी ही लेगी। केरल में हमें शानदार जीत मिली है... अब बाकी मामलों पर कांग्रेस हाई कमांड फैसला करेगी। कांग्रेस पार्टी में कई नेता हैं, लेकिन हाई कमांड जो भी फैसला करेगी, सभी कांग्रेस नेता उसे स्वीकार करेंगे। केरल में कांग्रेस ने सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जहां पार्टी के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने विधानसभा चुनावों में भारी जीत दर्ज करते हुए 140 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटें जीती हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने अपने नेताओं अजय माकन और मुकुल वासनिक को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है ताकि नवनिर्वाचित विधायकों के विचार जानकर मुख्यमंत्री का चयन किया जा सके। इससे पहले, केसी वेणुगोपाल ने केरल की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केरल की जनता ने कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ गठबंधन पर अपना विश्वास जताया है। उन्हें राहुल गांधी और खरगे जी के नेतृत्व पर भरोसा है। यूडीएफ की जीत को राज्य में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव माना जा रहा है, जो कांग्रेस

केक काटकर मनाया गया बस्ती का स्थापना दिवसः वशिष्ठ महोत्सव के शोभा यात्रा में उमडे लोग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। वशिष्ठ महोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को अमर बलिदानी सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में धूम धाम से बस्ती का स्थापना दिवस मनाया गया। सुबह 06 बजे हजारों की सख्या में आई प्रदेश के विभिन्न जनपदों की बालक बालिका टीमों और आयोजक मंडल द्वारा भव्य वशिष्ठ यात्रा निकाली गई । बैंड बाजे के साथ हाथों में तिरंगा ध्वज लिए भारत माता की जय और महर्षि वशिष्ठ जी की जयकार करते हुए यात्रा स्टेडियम से लाल बहादुर शास्त्री चौराहा, राणा प्रताप तिराहा, गुरु गोविंद सिंह चौक, संत गाडगे तिराहा, न्याय मार्ग होते हुए स्टेडियम परिसर पहुंचा। अपराह्न मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, अंकुर वर्मा, पवन कसौधन, और कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने कार्यक्रम स्थल पर 51 किलो का केक काटा तो पूरा स्टेडियम परिसर खुशी से झूम उठा। खिलाडियों ने एक दूसरे को केक खिलाकर बधाई दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा की महर्षि वशिष्ठ जी की पावन भूमि का स्वर्णिम इतिहास हमारा गौरव है। उन्होंने वशिष्ठ महोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं और कलाकारों को अवसर मिलता है। विधायक अजय सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते कहा कि महर्षि वशिष्ठ की पुण्य भूमि की सेवा करना सौभाग्य की बात है । उन्होंने कहा कि बस्ती के युवाओं को प्रदेश और देश स्तर पर अपनी उपयोगिता सिद्ध करने में उर्जा लगानी चाहिए। कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि बस्ती में प्रतिभा की कमी नहीं है बस आवश्यकता है कि उन्हें अवसर तथा माहौल प्रदान किया जाए। श्री राना ने अतिथियों और खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए आभार जताया। बस्ती सदर के ब्लॉक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव, साउं घाट के ब्लॉक प्रमुख अभिषेक कुमार,राजा ऐश्वर्य प्रताप सिंह, क्रीड़ा भारती के गोरक्ष प्रांत के महामंत्री वी एन मिश्र, कर्नल के सी मिश्र, आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। देर रात तक वशिष्ठ महोत्सव में जहां कवियों ने जलवे बिखेरे वही सांस्कृतिक संध्या को लोगों ने खूब सराहा। जनपद के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित वशिष्ठ महोत्सव के प्रथम दिवस की संध्याकालीन बेला में विराट कवि सम्मेलन आयोजित हुआ।जिसकी अध्यक्षता विख्यात कवि राम .ष्ण लाल जगमग जी ने और संचालन वेद प्रकाश दिवेदी। जी ने किया। कवियों की रचनाओं को सुनकर श्रोता ओत प्रोत होते रहे और सभी तालिया बजाकर उत्साहवर्धन करते रहे। कवि सम्मेलन की शुरुआत कार्यक्रम के आयोजक राणा दिनेश प्रताप सिंह जी ने महर्षि वशिष्ठ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं उनके सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। वाणी बंदना कुमार शैल सत्यार्थी ने किया, इसके बाद अजय कुमार वर्मा अजेय ने, हो जन्म दोबारा तो भारत वतन मिले और दूर जिस दिन से हम आपसे हो गए कोई त्योहार हमने मनाया नहीं, विकास भट्ट कामिल ने फलसफा जिंदगी का सुनता रहा खुद को खुद की कहानी सुनाता रहा, कुमार शैल सत्यार्थी ने चुटकुले अंदाज में राजेश मिश्रा राज ने बेटियों में संबंधित कविता प्रस्तुत वाहवाही लूटी, दीपक सिंह प्रेमी, हरकेश प्रजापति, जगदंबा प्रसाद भाउक, धूप में प्रेम रस की रचनाओं से श्रोताओं का मनोरंजन किया। विनोद उपाध्याय अनवर पाशा ने देशभक्ति रचनाओं को प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी, डॉक्टर अफजल हुसैन अफजल, अर्चना श्रीवास्तव सागर गोरखपुरी,ने अपनी कविताएं सुना कर श्रोताओं को खूब हसाया। कार्यक्रम के अध्यक्ष राम.ष्ण लाल जगमग ने अपनी प्रसिद्ध कविताओं से सभी का मनोरंजन किया और संचालक वेद प्रकाश द्विवेदी ने अपने ओज की कविताओं से सबके अंदर देशभक्ति के जज्बे पैदा किया जिसे खूब वाहवाही मिली। वशिष्ठ महोत्सव के प्रथम दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक संध्या में लखनऊ से पधारी पंडित अर्जुन जी महाराज जी की सुपुत्री स्मृति मिश्रा कथक नृत्यांगना लखनऊ घराना ने तीन ताल में ठुमरी, .ष्ण वंदना 54 चक्कर से, और .ष्ण नटखट बाल गोपाल की माखन चोरी की लीला को अपने नृत्य भाव भंगिमाओ की प्रस्तुति,तथा शशिकांत दुबे लोक नृत्य टीम लखनऊ द्वारा, प्रभु राम जी की अवतरित प्रकट .पा पर बधावा नृत्य,को उत्साह उमंग एवं भक्ति रस भाव से संपूर्ण प्रस्तुति दे कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रोता, दर्शक गण को हर्षित एवम आनंदित हुए। राज्य स्तरीय खो खो प्रतियोगिता में बालिका संवर्ग में गोरखपुर ने श्रावस्ती को 09 पॉइंट से, वाराणसी ने देवरिया को 03 प्वाइंट, अयोध्या ने कौशांबी को 04 प्वाइंट से हटाकर जीत दर्ज किया। बालक वर्ग में बलिया ने सोनभद्र को 08 प्वाइंट, अमरोहा ने चंदौली को 05 प्वाइंट, गोंडा ने गाजियाबाद को 09 प्वाइंट से कराकर जीत दर्ज किया। वालीबाल मैच में पहले मैच में पैड़ा (25 प्वाइंट) ने मंझरिया (18 प्वाइंट) को हरा कर विजेता रही दूसरे मैच में पकरी चौहान (25 प्वाइंट) ने कटनी (18प्वाइंट) को हराकर विजेता रही तीसरे मैच में एसएमडीएस गौर ने वाकओवर पाकर पेठिया लश्करी को हरा कर विजेता रही चौथे मैच में बस्ती स्टेडियम (25 प्वाइंट) में एच एम ए हरैया (21प्वाइंट) को हराकर विजेता रही । पांचवा मैच में पैड़ा (25 प्वाइंट) ने भादी (19 प्वाइंट) को हराकर विजेता रही। पहला सेमीफाइनल बस्ती स्टेडियम (25 प्वाइंट) ने पैड़ा (22 प्वाइंट) को हराकर विजेता रही दूसरा सेमीफाइनल पकरी चौहान (25 प्वाइंट) ने एस एम डी एस गौर (21 प्वाइंट) को हराकर विजेता रही फाइनल मैच कल खेला जाएगा। कबड्डी के मैच में मैच– वी आर एस कप्तानगंज (20 प्वाइंट) ने कोठवा भरतपुर (15 प्वाइंट) को हराकर विजेता रही । मैच– बस्ती टाइगर (18 प्वाइंट) ने वी आर एस (09 प्वाइंट) को हराकर विजेता रही । हैण्डबाल के मैच में (बालक)। मैच – लल्लन प्रसाद (06प्वाइंट) ने किसान इंटर कालेज (05 प्वाइंट) को हरा कर विजेता रही । मैच– जी आई सी इंटर कॉलेज (07 प्वाइंट) ने लल्लन प्रसाद (04 प्वाइंट) को हराकर विजेता रही । सेमीफइनल मैच– 1–मैच– स्टेडियम ए (11 प्वाइंट) ने जी आई सी (09 प्वाइंट) को हराकर विजेता रही । 2–मैच– लक्ष्य एकेडमी (13 प्वाइंट) ने लल्लन प्रसाद (07 प्वाइंट) को हराकर विजेता रही फाइनल कल खेला जायेगा । हैण्डबाल के मैच में (बालिका) ,1–सेमीफइनल मैच– स्टेडियम ए (14 प्वाइंट) ने जीजी आई सी (09 प्वाइंट) को हराकर विजेता रही 2–सेमीफइनल मैच– स्टेडियम बी (11 प्वाइंट) ने बेगम खैर (06 प्वाइंट) को हराकर विजेता रही। फाइनल मैच कल खेला जायगा। निर्णायक प्रभाकर ओझा, मनोज राय, विवेक श्रीवास्तव, रणधीर सिंह, दीपक सिंह मनोज सिंह सहित 80 निर्णायक रहे।

हादसों को दे रही दावत ओवरलोड वाहनों की रतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर।खुनुवां बॉर्डर से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों को लेकर क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षमता से अधिक लदे ट्रक और अन्य भारी वाहन खुलेआम नियमों की अनदेखी कर रहे हैं, जिससे सड़क हादसों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। लोगों का आरोप है कि संबंधित विभागों की अनदेखी के चलते यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। ओवरलोडिंग के कारण सड़कों की स्थिति भी खराब हो रही है और आम राहगीरों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि खुनुवां बॉर्डर पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता। क्षेत्रवासियों ने जिम्मेदार अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर व्यवस्था दुरुस्त करने और नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने की अपील की है।

बैंक में पैसे निकालने आए बुजुर्ग की मौत, ट्रांजैक्शन को लेकर थे परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के महदेवा स्थित स्टेट बैंक शाखा में मंगलवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब पैसे निकालने आए एक बुजुर्ग की अचानक मौत हो गई। घटना के बाद बैंक परिसर में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।जानकारी के अनुसार, मोहाना थाना क्षेत्र के डांडी गांव निवासी 65 वर्षीय मोहनलाल विश्वकर्मा स्टेट बैंक की महदेवा शाखा में पैसे निकालने आए थे। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ दिनों से अपने खाते से पैसे ट्रांजैक्शन को लेकर परेशान थे।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बुजुर्ग बैंक के अंदर पहुंचे और कुछ ही देर बाद अचानक गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें संभालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद उनके परिजन भी बैंक पहुंच गए और रोने–बिलखने लगे।ताया जा रहा है कि बैंक में उनका पैसा ट्रांसफर नहीं हो पा रहा था, जिससे वे काफी चिंतित थे। इस बीच, पुलिस को घटना की सूचना नहीं दी गई है और परिजन शव को अपने साथ घर ले गए।स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार खराब तबीयत और बैंक संबंधी परेशानियों के चलते बुजुर्ग तनाव में थे, जिससे यह हादसा हुआ।

बस्ती स्थापना दिवस एवं द्वितीय "बेस्ट ऑफ बस्ती अवाड्र्स" समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ द्वारा आयोजित "बस्ती स्थापना दिवस एवं द्वितीय बेस्ट ऑफ बस्ती अवाड्र्स" समारोह का भव्य आयोजन राजकीय इण्टर कॉलेज, बस्ती के सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, समाजसेवियों, युवा उद्यमियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य बस्ती जनपद की प्रतिभाओं, समाज के प्रेरणास्रोत व्यक्तियों तथा जिले के विकास में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक संजीव त्यागी रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश, विधायक अजय सिंह, पूर्व विधायक संजय जायसवाल, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, यशकांत सिंह, अंकुर वर्मा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। समारोह में "बेस्ट ऑफ बस्ती अवार्ड" के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य क्षेत्र में डॉ. मोहम्मद इकबाल, बसंत चौधरी, डॉ. वी. के. वर्मा, डॉ. अजय चौधरी एवं डॉ. अनिल यादव को सम्मानित किया गया। सामाजिक कार्य के लिए अनिल त्रिपाठी, राम प्रताप सिंह एवं बबीता गौतम को सम्मान मिला। व्यवसाय क्षेत्र में कमल सेन, प्रेम अग्रवाल, सिद्धार्थ मिश्रा एवं आदित्य श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अजय सिंह गौतम को सम्मान प्रदान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में सत्य प्रकाश सिंह, राजेश चौधरी, प्रियंका सिंह एवं शैलेश चौधरी को सम्मानित किया गया। साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में कमला पति पांडेय, राम नरेश सिंह "मंजुल" एवं कात्यायनी पाण्डेय को सम्मान प्राप्त हुआ। खेल क्षेत्र में अनिल यादव, राम सिंह एवं विनीत गुप्ता को सम्मानित किया गया। युवा प्रेरणा श्रेणी में अमन शुक्ला एवं प्रखर शुक्ला को सम्मान दिया गया। . षि क्षेत्र में पुष्पा गौतम को सम्मानित किया गया, जबकि युवा उद्यमी श्रेणी में ऋतुराज सिंह एवं सौरभ दुबे को सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर भोजपुरी गायक सौरभ सिंह रॉयल द्वारा बस्ती को समर्पित विशेष गीत "बस्ती वाले हैं हम" का लोकार्पण भी अतिथियों के करकमलों द्वारा किया गया। गीत के लोकार्पण के दौरान सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और उपस्थित लोगों ने इसे बस्ती की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा गौरवपूर्ण प्रयास बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश ने कहा कि बस्ती की धरती प्रतिभाओं और संस्कारों की भूमि रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज के उन लोगों को मंच प्रदान करते हैं जो निस्वार्थ भाव से समाज और राष्ट्र के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ की सराहना करते हुए कहा कि संस्था युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रही है। विधायक अजय सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बस्ती तेजी से विकास और सामाजिक जागरूकता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिले के प्रतिभाशाली लोगों का सम्मान करना वास्तव में पूरे समाज का सम्मान है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक जिम्मेदारियों को समझते हुए राष्ट्र निर्माण में आगे आने का आह्वान किया। पूर्व विधायक संजय जायसवाल ने कहा कि बस्ती की पहचान यहां की प्रतिभा, संस्कृति और सामाजिक समरसता से है। उन्होंने कहा कि "बेस्ट ऑफ बस्ती अवार्ड" जैसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और प्रेरणा का वातावरण तैयार करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति को सफल कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दीं। पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों का सम्मान नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का माध्यम बनता है। उन्होंने कहा कि बस्ती की युवा शक्ति में अपार संभावनाएं हैं और यदि उन्हें सही मंच एवं मार्गदर्शन मिले तो वे जिले और प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ के अध्यक्ष भावेष पाण्डेय ने सभी अतिथियों, सम्मानित व्यक्तियों, प्रतिभागियों, सहयोगियों एवं उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि "बस्ती स्थापना दिवस" केवल एक आयोजन नहीं बल्कि अपने जनपद की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और प्रतिभाओं को सम्मान देने का अभियान है। उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी समाज, युवाओं और बस्ती के विकास के लिए ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। कार्यक्रम का संचालन अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ तथा अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कुलदीप कलश और राम प्रताप सिंह ने किया। संयोजन काजी फरजान और तेज प्रकाश शुक्ल ने किया।

सघन चेकिंग में 52 वाहनों का चालान, 60 हजार का जुर्माना

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बुधवार को शोहरतगढ़ पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की है। शोहरतगढ़ कस्बा स्थित पुलिस पिकेट चौराहे पर इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह की मौजूदगी में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट, तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने, बिना नंबर प्लेट और आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में चल रहे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने कुल 52 वाहनों का चालान करते हुए 60 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा अवैध रूप से संचालित ई–रिक्शा के खिलाफ भी अभियान चलाया गया, जिसमें 10 ई–रिक्शा वाहनों को सीज किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। इस दौरान इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह, निरीक्षक सुभाष यादव, उपनिरीक्षक संतोष यादव, उपनिरीक्षक रामबदन यादव, उपनिरीक्षक बलराम गौड़, उपनिरीक्षक राजकुमार, हेड कांस्टेबल दिनेश यादव व हेड कांस्टेबल कुंवर प्रताप सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

विशेश्वरगंज में मोतीलाल नेहरू की 165वीं जयंती पर वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

विशेश्वरगंज। महान स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रख्यात महाधिवक्ता पंडित मोतीलाल नेहरू की 165वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के तहत क्षेत्र में पौधरोपण अभियान की शुरुआत की गई, जिसे निरंतर जारी रखने की बात कही गई। कांग्रेस नेता विनय सिंह ने कहा कि पंडित मोतीलाल नेहरू का जन्म 6 मई 1861 को इलाहाबाद में हुआ था। वे देश के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों में शामिल रहे और एक प्रतिष्ठित महाधिवक्ता के रूप में भी उनकी पहचान रही। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहते हुए 1919 में अमृतसर तथा 1928 में कलकत्ता में आयोजित कांग्रेस अधिवेशनों की अध्यक्षता कर संगठन और देश को नई दिशा प्रदान की। इस अवसर पर आयोजित वृक्षारोपण अभियान में रमेश चंद्र मिश्र, दुलार यादव उर्फ शिवा पहलवान, अभिषेक गुप्ता, वशीर अंसारी, हसन, इश्तियाक, शफीक अहमद, दुर्गेश सिंह, राजेंद्र प्रसाद, गनेश, विनोद, हरिद्वार, कुसुम, गिरिजा, कोमल, रुक्मिणी, किरन, परिमिल, नंदिनी, बाबाराम, शिवनाथ सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उल्लास के साथ मनाया गया बस्ती जनपद का 162 वां स्थापना दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बुधवार को वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में बस्ती जनपद का 162 वां स्थापना दिवस संगोष्ठी के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक, साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि बस्ती सन् 1801 में तहसील मुख्यालय बना और फिर 6 मई 1865 को जनपद मुख्यालय बनाया गया। इसके बाद सन् 1988 में उत्तरी हिस्से को काटकर सिद्धार्थनगर जिला बनाया गया जिसे पहले डुमरियागंज नाम से जाना जाता था, इस जिले में बांसी और नौगढ़ भी आते हैं, यहां कपिलवस्तु भी हैं, जहां बुद्ध ने अपने जीवन के शुरुआती समय व्यतीत किये थे, यहां से 10 किलोमीटर पूर्व लुंबनी में बुद्ध का जन्म हुआ था। यही नहीं बस्ती का एक और विभाजन 1997 में संतकबीर नगर के रूप मं हुआ। कहा कि मण्डल स्तर पर बस्ती स्वयं में कई संस्कृतियों को समेटे हुये है। वरिष्ठ साहित्यकार राम नरेश सिंह मंजुल ने बस्ती के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि कभी भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने कहा था कि बस्ती को बस्ती कहूं तो काको कहूं उजाड़ आज यही बस्ती निरन्तर विकास की ओर है। कहा कि बस्ती का इतिहास बहुत समृद्ध है और मखौड़ा, छावनी शहीद स्थली के साथ ही अनेक पौराणिक स्थल हैं जो इसकी पहचान है। कहा कि सन् 1997 में पूर्वी हिस्से को काटकर संतकबीरनगर जिला बनाया जिसे खलीलाबाद के नाम से भी जाना जाता है, यहां महात्मा कबीर ने प्राण त्यागे थे। इसके बाद जुलाई 1997 में बस्ती मंडल मुख्यालय बना दिया गया। फिलहाल इस मंडल में बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर जनपद आते हैं। कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि बस्ती का इतिहास जहां समृद्ध है वहीं वर्तमान प्रगति की ओर है। प्राचीन काल में बस्ती को भगवान राम के गुरु वशिष्ठ ऋषि के नाम पर वाशिष्ठी के नाम से जाना जाता रहा। कहा जाता है कि उनका यहां आश्रम था, अंग्रेजों के जमाने में जब यह जिला बना तो निर्जन, वन और झाड़ियों से घिरा था, लोगों के प्रयास से यह धीरे–धीरे बसने योग्य बन गया। अध्यक्षता करते हुये बटुकनाथ शुक्ल ने कहा कि नयी पीढी अपने इतिहास को जानते रहने की जरूरत है जिसे नयी पीढी अपनी जड़ों से जुड़े। बस्ती जनपद के 161 वां स्थापना दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में त्रिभुवन प्रसाद वर्मा, बी. के. मिश्र, डा. वाहिद सिद्दीकी, अजीत श्रीवास्तव, डा. राजेन्द्र सिंह राही, आचार्य छोटेलाल वर्मा, अर्चना श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, राजेन्द्र प्रसाद अरनवाल, संजीव पाण्डेय, सामईन फारूकी आदि ने बस्ती के इतिहास पर रोशनी डाली। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गणेश प्रसाद, दीनानाथ यादव, अजमत अली सिद्दीकी, .ष्णचन्द्र पाण्डेय, नेबूलाल, लालजी पाण्डेय, मेहीलाल यादव के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

बढ़नी में गैस सिलेंडर को लेकर हाहाकार, कालाबाजारी के आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। बढ़नी क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत ने आम लोगों, खासकर गरीब मजदूरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि युग कृष्णा गैस एजेंसी के गोदाम से कालाबाजारी का खेल चल रहा है और गैस सिलेंडर महंगे दामों पर बेचे जा रहे हैं। वहीं एजेंसी परिसर में अव्यवस्था और कर्मचारियों के अभद्र व्यवहार से लोग आक्रोशित हैं। मंगलवार को सुबह पांच बजे से ही नगर पंचायत बढ़नी के समय माता स्थान के पास उपभोक्ता गैस सिलेंडर के लिए लाइन में खड़े हो गए थे। कड़ी धूप और भूखे–प्यासे इंतजार के बावजूद कई लोगों को सिलेंडर नहीं मिल सका। शाम करीब तीन बजे एक छोटी पिकअप से सीमित संख्या में सिलेंडर पहुंचे, जो भीड़ के हिसाब से अपर्याप्त थे। नतीजतन, आधे से अधिक लोगों को 'गैस खत्म' होने की बात कहकर खाली हाथ लौटना पड़ा। उधर, सूत्रों का दावा है कि एजेंसी के कुछ कर्मचारी बाहरी लोगों को ऊंचे दामों पर सिलेंडर उपलब्ध करा रहे हैं। शाम के समय भरौली स्थित गोदाम पर संदिग्ध गतिविधियां भी देखने को मिलीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक व्यक्ति बिना स्पष्ट दस्तावेज दिखाए दो सिलेंडर लेकर जाने का प्रयास कर रहा था, जबकि पूछताछ होने पर वह सिलेंडर छोड़कर मौके से भाग निकला। इसके अलावा, एक ई–रिक्शा पर दर्जनों सिलेंडर लादकर 'होम डिलीवरी' के नाम पर ले जाए जाने की बात भी सामने आई है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि जब आम उपभोक्ता पूरे दिन लाइन में लगने के बाद भी सिलेंडर से वंचित रह जाते हैं, तो आखिर किन लोगों तक आसानी से गैस पहुंच रही है। इससे वितरण व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप यह भी है कि मीडिया और उपभोक्ताओं द्वारा सवाल पूछे जाने पर कुछ कर्मचारी अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। इस संबंध में एजेंसी संचालक का कहना है कि कालाबाजारी रोकने और लोगों को राहत देने के लिए विभिन्न स्थानों पर वितरण की व्यवस्था की गई है। हालांकि, जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके और कालाबाजारी पर रोक लगाई जा सके।

शोहरतगढ़ : आयुष्मान आरोग्य मंदिर बंद, सीएचओ की अनुपस्थिति पर उठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। पहली घटना नहीं है, बल्कि बिना केंद्र संचालित हुए शोहरतगढ़ सीएचसी अंतर्गत गौरा बाजार में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर बुधवार को निर्धारित समय के बावजूद बंद मिला। सुबह 10रू16 बजे केंद्र बंद होने की तस्वीर भी कैमरे में कैद की गई, जो व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। गौरतलब है कि केंद्र के संचालन का समय सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित है, लेकिन तैनात सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) के अनुपस्थित रहने से मरीजों को निराश होकर लौटना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई आए दिन ऐसी स्थिति देखने को मिलती है। केंद्र पर तैनात सीएचओ की उपस्थिति एएमएस ऐप के माध्यम से दर्ज की जाती है, इसके बावजूद मानदेय और टीबीआई (टीम बेस्ड इंसेंटिव) का भुगतान होना जांच के घेरे में है। चर्चा है कि सीएचसी स्तर के कुछ जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से यह लापरवाही लंबे समय से जारी है और अनुपस्थिति के बावजूद भुगतान किया जा रहा है। यदि ऐसा है तो यह सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला भी बन सकता है।स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

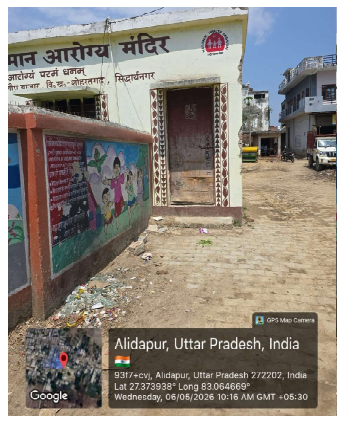

नगर पंचायत कपिलवस्तु क्षेत्र में अन्नपूर्णा भवन का होगा निर्माण– नितेश पाण्डेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत कपिलवस्तु में नामित सभासद भाजपा नेता नितेश पाण्डेय ने बुधवार को नगर पंचायत कपिलवस्तु कार्यालय में अधिशासी अधिकारी नवीन सिंह से शिष्टाचार भेंट कर नगर पंचायत क्षेत्र में अन्नपूर्णा भवन के निर्माण हेतु प्रस्ताव दिया। साथ ही इस जनकल्याणकारी योजना के लिए उपयुक्त भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का भी आग्रह किया गया। जिस पर उन्होंने इसको लेकर जल्द से जल्द भूमि आवंटित कराने हेतु संबंधित को निर्देशित किया । नितेश पाण्डेय ने बताया कि यह पहल केवल एक भवन का निर्माण नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के लिए सम्मानपूर्वक भोजन की व्यवस्था और समाज में सेवा भाव को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जनहित से जुड़े अन्य योजनाओं के सापेक्ष महत्वपूर्ण चर्चा भी की। जल्द ही उक्त योजना को लेकर एक सकारात्मक पहल देखने को मिलेगी, जिससे क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को लाभ मिल सकेगा।

मानवता की मिसाल : बांसी पुलिस ने आधी रात में नाले में फंसी गाय को बचाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। बांसी कोतवाली पुलिस ने अपनी संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए आधी रात को एक बेजुबान गाय की जान बचाकर मानवता की मिसाल पेश की। इस सराहनीय कार्य से पुलिस ने क्षेत्रवासियों का दिल जीत लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब 12:50 बजे प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक अपनी टीमकृहेड कांस्टेबल योगेंद्र यादव, कांस्टेबल अशोक यादव और रिक्रूट कांस्टेबल शरद सिंहकृके साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान रानीगंज चौराहे से इटवा मार्ग पर सड़क किनारे बने नाले में एक गाय गिरी हुई दिखाई दी, जो बाहर निकलने के लिए छटपटा रही थी। मामले की गंभीरता को समझते हुए प्रभारी निरीक्षक ने बिना देर किए रेस्क्यू अभियान शुरू कराया। अंधेरे और रात के सन्नाटे के बावजूद पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत करते हुए गाय को सुरक्षित नाले से बाहर निकाल लिया। पुलिस के इस मानवीय प्रयास को देखकर स्थानीय लोगों ने उनकी जमकर सराहना की। यह घटना दर्शाती है कि खाकी वर्दी सिर्फ कानून–व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि सेवा, संवेदनशीलता और करुणा का भी प्रतीक है।

निर्माणाधीन पुलिया बनी हादसे का कारण, बाइक सवार तीन युवक बाल–बाल बचे

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। बेलौहा–बांसी मार्ग पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब बारात में शामिल होने जा रहे तीन युवक निर्माणाधीन चिउटी पुलिया पर बाइक सहित करीब 15 फीट नीचे गिर गए। गनीमत रही कि सभी युवक सुरक्षित बच निकले और किसी को गंभीर चोट नहीं आई। जानकारी के अनुसार, खेसरहा थाना क्षेत्र के भलुआ खदरगड्डी गांव निवासी पिंटू, मोनू और गोविंद बाइक से बांसी क्षेत्र के मसिना गांव में एक बारात में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान निर्माणाधीन चिउटी पुलिया पर अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और नीचे लोहे के जाल पर जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों युवकों को तत्काल बाहर निकाला गया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को घर भेज दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिया निर्माण के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं, जिससे इस तरह के हादसों का खतरा बना रहता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

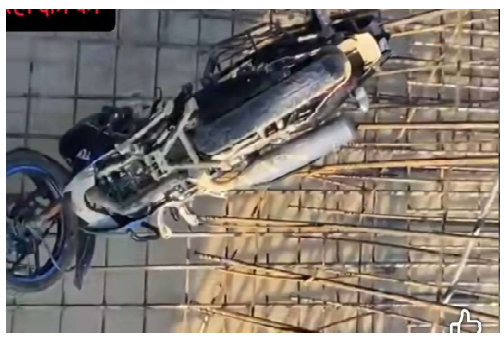

एसओजी सिद्धार्थनगर, थाना लोटन पुलिस द्वारा हत्या के आरोप में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशान्त प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के कुशल निर्देशन में व विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में मिथलेश कुमार राय प्रभारी एसओजी व हरिओम कुशवाहा थानाध्यक्ष लोटन की संयुक्त टीम उप निरीक्षक रवीन्द्र यादव, आरक्षी विनय कुमार राजभर द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 34/2026 धारा 191(2), 127(2), 115(2), 352, 351(3),105 बीएनएस में वांछित चौथे अभियुक्त को आज दिनांक 06.05.2026 को थानाक्षेत्र के ग्राम भुसौला अदाई मार्ग के पास से गिरफ्तार किया गया तथा जेल भेज दिया गया। अभियुक्त राम मिलन पुत्र स्व.सुखलाल सा. गदहमरवा थाना लोटन जनपद–सिद्धार्थनगर के कब्जे से 01अदद आलाकत्ल डंडा बरामद किया गया।

दिव्यांगजन कल्याण शिविर का डीएम ने किया निरीक्षण, योजनाओं से जोड़ने के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने विकास खण्ड उसका बाजार में आयोजित दिव्यांगजन चिन्हांकन शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। यह शिविर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को चिन्हित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक दिव्यांगजनों का चिन्हांकन कर उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने बताया कि कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को श्रवण यंत्र, स्मार्ट केन, ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी आदि उपलब्ध कराए जाएंगे। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि 1 अप्रैल 2025 के बाद विवाह करने वाले दिव्यांग दम्पत्तियों का भी चिन्हांकन किया जाएगा। इसके अलावा, पोलियो करेक्टिव सर्जरी के इच्छुक दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क सर्जरी की सुविधा दी जाएगी। 0 से 5 वर्ष आयु के मूक–बधिर बच्चों का कॉक्लियर इम्प्लांट हेतु चिन्हांकन भी किया जाएगा। साथ ही 18 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे दिव्यांगजन, जो पेंशन से वंचित हैं, उन्हें भी चिन्हित कर योजनाओं से जोड़ा जाएगा। आगामी शिविरों की तिथियां इस प्रकार हैं– 07 मई विकास खण्ड बर्डपुर/नगर पंचायत कपिलवस्तु, 12 मई डुमरियागंज/नगर पंचायत डुमरियागंज/भारतमारी/बढ़नीचाफा, 13 मई भनवापुर/नगर पंचायत बिस्कोहर, 14 मई इटवा/नगर पंचायत इटवा, 15 मई खुनियांव, 16 मई मिठवल, 19 मई खेसरहा, 20 मई, बांसी/नगर पालिका परिषद बांसी, 21 मई जोगिया, 22 मई शोहरतगढ़/नगर पंचायत शोहरतगढ़, 23 मई बढ़नी/नगर पंचायत बढ़नी, 26 मई नौगढ़/नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर शिविर में भाग लेने के लिए दिव्यांग प्रमाण पत्र/यूडीआईडी कार्ड, आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, दिव्यांगता दर्शाने वाली दो फोटो, निवास एवं जाति प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विनय कुमार सिंह, खण्ड विकास अधिकारी उसका बाजार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

छोटी घटनाओं को नजरअंदाज करना, बड़ी वारदातों को न्योता देना

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। लोटन क्षेत्र में लगातार हो रही छोटी–छोटी घटनाओं को नजरअंदाज करना अब गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। जानकारों का मानना है कि ऐसी घटनाएं यदि समय रहते रोकी न जाएं, तो यही आगे चलकर बड़ी आपराधिक वारदातों का रूप ले सकती हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस कई बार मामूली समझकर इन मामलों को अनदेखा कर देती है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हो जाते हैं। यही लापरवाही धीरे–धीरे बड़ी घटनाओं की जमीन तैयार करती है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रभावी कानून व्यवस्था के लिए जरूरी है कि छोटी घटनाओं पर भी उतनी ही गंभीरता से कार्रवाई हो, जितनी बड़ी घटनाओं पर की जाती है। अब सवाल यह उठता है कि क्या पुलिस का यह नजरिया बदल पाएगा, या फिर छोटी घटनाओं की अनदेखी भविष्य में बड़े संकट को जन्म देती रहेगी?बानगी के तौर पर कोल्हुवा मे घटित संदीप यादव हत्याकांड। अगर पुलिस प्रशासन की लापरवाही न हुई होती तो शायद इतनी बड़ी घटना न हो पाती। आखिर किसके प्रभाव की देन है जो मामले को इतना बड़ा बना दिया। मृतक संदीप यादव का परिवार रो– रोकर न्याय की मांग कर रहा है।

खेसरहा में दुष्कर्म का आरोपी बाल अपचारी गिरफ्तार पुलिस ने 16 वषह्रय किशोरी से दुष्कर्म मामले में की कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के खेसरहा थाना क्षेत्र में दुष्कर्म के एक मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है। यह घटना क्षेत्र के एक गांव में 16 वर्षीय किशोरी के साथ हुई थी। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने 29 अप्रैल को किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस घटना के बाद पीड़िता के परिवार में भय का माहौल बन गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एक टीम गठित की और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। साक्ष्यों के आधार पर 17 वर्षीय बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपी को संबंधित धाराओं में निरुद्ध कर न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया है। थाना प्रभारी ने जोर देकर कहा कि ऐसे अपराधों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस तत्परता की सराहना की है। वहीं, प्रशासन ने क्षेत्र में कानून–व्यवस्था बनाए रखने और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

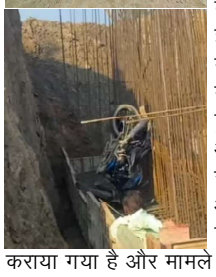

बीएचएनडी दिवस का डीएम ने किया निरीक्षण, लापरवाही पर जताई नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने विकास खण्ड उसका बाजार के कम्पोजिट विद्यालय करमा में आयोजित बीएचएनडी (बृहद स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस) का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई खामियां मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों पर नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने एएनएम से गर्भवती महिलाओं की जांच संबंधी जानकारी ली और एचआरपी (हाई रिस्क प्रेग्नेंसी) का चिन्हांकन कम होने पर कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने गर्भवती महिलाओं से सीधे संवाद कर बीएचएनडी दिवस पर दी जाने वाली सुविधाओं और जानकारी के बारे में भी पूछताछ की। आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रजिस्टर की जांच में सैम–मैम (कुपोषित) बच्चों का विवरण देखा गया और उन्हें दिए जा रहे पोषाहार के बारे में जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बीएचएनडी दिवस पर गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कराई जाए और पोषाहार का नियमित वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देशित किया कि टीकाकरण से एक दिन पहले घर–घर जाकर गर्भवती महिलाओं और बच्चों को सूचित करें ताकि कोई भी लाभार्थी छूट न जाए। एएनएम को सख्त निर्देश दिया गया कि कोई भी बच्चा या गर्भवती महिला जांच और टीकाकरण से वंचित न रहे। निरीक्षण के दौरान एसबी किट उपलब्ध न होने और आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्री के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने दोनों का वेतन रोकने और स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। साथ ही एमओआईसी द्वारा अपने क्षेत्र में बीएचएनडी दिवस का निरीक्षण न करने पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनसे स्पष्टीकरण तलब किया गया।

ज्येष्ठ के पहले मंगलवार पर भजन–कीर्तन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगलवार के शुभ अवसर पर शोहरतगढ़ स्थित श्रीराम जानकी मंदिर में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला। श्रीराम जानकी मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में भजन–कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान हनुमान के पूजन–अर्चन और मंगलाचरण के साथ हुई। इसके बाद भजन गायक पप्पू लक्खा व उनकी टीम ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। मंदिर परिसर में 'जय श्रीराम' और 'जय बजरंगबली' के जयघोष गूंजते रहे। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष नीलू रुंगटा, प्रगति पाण्डेय, गोलू पासवान, सोनू निगम, बंटी जायसवाल और विपिन कुमार उमर सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। भजन–कीर्तन और आरती के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद व मिष्ठान का वितरण किया गया। इधर, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी रही कि श्रीराम जानकी मंदिर सेवा समिति दो गुटों में बंटी हुई है और दोनों पक्षों द्वारा अलग–अलग रूप से पूजन–अर्चन के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

सम्पादकीय

बहरहाल– ममता, विजयन और स्टालिन की हार से संकेत मिलता है कि कांग्रेस विपक्ष के कमजोर 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करती रहेगी। लेकिन भाजपा को आने वाले समय में पंजाब में कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा, जहां आम आदमी पार्टी व कांग्रेस अपनी जमीन मजबूत करने के प्रयासों में लगे हैं। बहरहाल,विगत में राजनीतिक हिंसा का इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल में चुनाव...

गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला

बंगाल में भाजपा का खेला काम कर गया। ऐसा भी नहीं है कि तीन बार से सत्ता पर काबिज बंगाल की शेरनी ममता से जनता का मोहभंग हाल–फिलहाल की घटना है। भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे–बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी–शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलतरू दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं,वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है। लेकिन भाजपा की इस जीत की खुशी के बीच केरलम में कांग्रेस नीत गठबंधन की वापसी हुई है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम वाम दलों के लिये दुरूस्वप्न ही साबित हुए हैं, केरलम में उनका आखिर गढ़ भी हाथ से निकल गया है। हालांकि, केरलम में भाजपा ने तीन व तमिलनाडु में एक सीट जीतकर हिंदी बेल्ट की पार्टी के ठप्पे से मुक्त होने का प्रयास किया है। इन विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह भी है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की मुखर आवाज कुंद हो गई है। जहां ममता,स्टालिन व विजयन सत्ता से बाहर हो गए हैं, वहीं शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, नवीन पटनायक का प्रभाव भी फीका हुआ है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश का 72 फीसदी भूभाग व 78 फीसदी आबादी भाजपा शासित है। अनुमान है कि अब भाजपा 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर मुखर हो सकती है। कयास बंगाल को लेकर भी हैं कि वहां आंदोलनों के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी को सत्ता की बागडोर सौंपी जाएगी, या भाजपा कोई चौंकाने वाली पहल करती है। बहरहाल, बंगाल में भाजपा ने आक्रामक चुनावी रणनीति से महज 8 फीसदी वोट प्रतिशत की वृद्धि से 131 सीटें बढ़ा ली हैं। इतना ही नहीं टीएमसी के मजबूत गढ़ों में 53 सीटें कब्जा ली हैं। बहरहाल, पहले से ही कमजोर विपक्ष को यह परिणाम बड़ा झटका है। कांग्रेस व वाम दलों से किनारा करके चलने की ममता की महत्वाकांक्षी कोशिश का लाभ भाजपा को मिला है। हां, इतना जरूर है कि दक्षिण भारत में पकड़ बनाने के लिये भाजपा को कड़ी मेहनत करनी होगी। इस बार उसे केरल की तीन व तमिलनाडु की एक सीट पर ही संतोष करना पड़ा है। वहीं केरलम में वाम मोर्चे के अंतिम किले का ध्वस्त होना और लगातार टकराव के मूड में रहने वाले स्टालिन की विदाई उसका उत्साह बढ़ाने वाले हैं। बहरहाल– ममता, विजयन और स्टालिन की हार से संकेत मिलता है कि कांग्रेस विपक्ष के कमजोर 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करती रहेगी। लेकिन भाजपा को आने वाले समय में पंजाब में कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा, जहां आम आदमी पार्टी व कांग्रेस अपनी जमीन मजबूत करने के प्रयासों में लगे हैं। बहरहाल,विगत में राजनीतिक हिंसा का इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान उपजी कटुता को नियंत्रित करने के प्रयास बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के करने होंगे। निस्संदेह, लोकतंत्र में हिंसा की कोई भूमिका नहीं स्वीकारी जानी चाहिए। विश्वास करें कि नयी सरकार द्वारा राजनीतिक प्रतिशोध को संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

बाहरी खाने का चस्का बनाम ईमानदारी का खाना

ईमानदारी की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति दाल–खाना, भात–खाना, रोटी–खाना के जुगाड़ से ऊपर नहीं उठ पाता। वह 'खाना' को मात्र एक क्रिया मानता है। जिसमें ईश्वर प्रदत्त मुख से अन्न को उदरस्थ किया जाता है। लो जी! अब कमर्शियल सिलेंडरों के दाम ताबड़तोड़ बढ़ गए। सो होटलों का खाना महंगा होने की खबर है। होटलों में खाने के शौकीन और ऑनलाइन बुलाकर खाने वाले लोग दुखी हैं। बुद्धि खाने पर जा अटकी है। खाने के बहाने नाना प्रकार के खाने के विचार खाए जा रहे हैं। 'खाने–पीने' वाले लोगों के अनुसार, जागरूकता के कुछ कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य 'खाना' रोक देने से होता है? इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों पर न खाने के लिए फालतू का दबाव बनाया जाता है। वहीं ईमानदारी की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति दाल–खाना, भात–खाना, रोटी–खाना के जुगाड़ से ऊपर नहीं उठ पाता। वह 'खाना' को मात्र एक क्रिया मानता है। जिसमें ईश्वर प्रदत्त मुख से अन्न को उदरस्थ किया जाता है ताकि मानव काया सक्रिय और परोपकार के काम में लग सके। इसके इतर 'खाने' के बारे में सोचना भी वह पाप समझता है। विडंबना यह है कि ईमानदारी की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति जहां–जहां भी जाता है, तथाकथित 'खाना' पीछा नहीं छोड़ता। इस घोर कलियुग में वह बेजान–सा ईमानदारी–का–पुतला साबित होता है। अस्पतालों के बाहर बड़े–बड़े अक्षरों में 'खैराती–दवाखाना' लिखा होता है। वहां पर डॉक्टर अक्सर नदारद रहते हैं। लाचार मरीज 'सब्र–खाता' हुआ बैठा रहता है। यहां के दवा–वितरण–केंद्र 'दवाखाना' के नाम को चरितार्थ करते हुए दवाएं खा जाते हैं। मरीज सुबह की ताजी 'हवा–खाना' जैसे प्राकृतिक इलाज के भरोसे भटकते हैं। किसी निर्दयी व्यक्ति ने हमारे ईमानदारी के पुतले को ताना कसा, 'साहब! आप वह खाइएगा जिसे लोग खुलेआम नहीं खाते, बल्कि चुपके–चुपके खाते हैं, जैसे घूस–खाना या रिश्वत–खाना। आजकल इस खाने की होड़–सी लगी हुई है।' ईमानदार क्रोधित हो उठा और बोला, 'नीति शिक्षा कहती है, डांट–खाना, हाथ–खाना, लात कभी भी मत खाना समझे। ये निम्नस्तरीय खाना हैं। रिश्वतखोरों और बेईमानों का बुरा हश्र होता है। चोर–उचक्कों को चप्पल और जूते भी खाना पड़ते हैं।' 'नेताओं द्वारा 'वोट–खाकर', ऐश से 'नोट–खाने' की पुरानी परम्परा है। इसलिए श्रीमान! ईमानदारी को रोज–रोज ओढ़ने और बिछाने के चक्कर में खाने के लाले पड़ सकते हैं।' निर्दयी व्यक्ति ने चंपत होने के पूर्व ताना कसा। ईमानदार ताने को आत्मसातद्द करके सोचने लगा, 'हे भगवान! लोग भेजा–खाना या दिमाग–खाना कब छोड़ेंगे?' फिर गंतव्य की ओर बढ़ते हुए उसके कदमों में एक भरोसा बलवती हो रहा था कि भ्रष्टाचार के सामने वह मात नहीं खाएगा। बेईमानों और भ्रष्टाचारियों को जेलखाना भेज देगा।

एक दौर का चुनाव और अनेक निष्कर्ष

इन पांच राज्यों के चुनावों ने भारतीय राजनीति का नया यथार्थ सामने रखा है। नतीजों से स्पष्ट है कि कोई भी राजनीतिक किला स्थायी नहीं। मतदाता अब अधिक सजग और निर्णायक हैं और चुनाव अब केवल भावनात्मक मुद्दों से नहीं जीते जाते। 2027 के चुनाव इस यथार्थ की पुष्टि करेंगे। यह तय करेंगे कि हालिया बदलाव केवल अपवाद हैं या एक स्थायी प्रवृत्ति का हिस्सा। भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि ...

नतीजों से स्पष्ट है कि कोई भी राजनीतिक किला स्थायी नहीं। मतदाता अब अधिक सजग और निर्णायक है और चुनाव अब केवल भावनात्मक मुद्दों से नहीं जीते जाते। 2027 के चुनाव इस यथार्थ की पुष्टि करेंगे। हालिया विधानसभा चुनावों ने राजनेताओं को एक बार फिर यह याद दिलाया है कि यहां कोई भी किला स्थायी नहीं होता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी का प्रचंड बहुमत और तृणमूल कांग्रेस की पराजय ने उस ध ाारणा को तोड़ दिया है कि मजबूत क्षेत्रीय नेतृत्व अजेय होता है। ममता बनर्जी की राजनीतिक पकड़ के बावजूद सत्ता परिवर्तन यह बताता है कि मतदाता अब नेतृत्व की छवि से आगे बढ़कर ठोस परिणामों का मूल्यांकन कर रहा है। दक्षिण में तमिलनाडु का परिणाम शायद सबसे दिलचस्प है, जहां अभिनेता विजय की पार्टी का सिंगल लार्जेस्ट बनना केवल सत्ता परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि राजनीतिक रिक्तता में नए विकल्प की मांग का प्रमाण है। यह उस बदलाव की ओर इशारा करता है, जहां पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के बीच मतदाता नए नेतृत्व को परखने के लिए तैयार है। केरल में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनने की स्थिति यह दिखाती है कि वैचारिक रूप से सजग माने जाने वाले राज्य भी सत्ता परिवर्तन के लिए तैयार रहते हैं, यदि मतदाता को विकल्प विश्वसनीय लगता है। इसके विपरीत असम में भाजपा की लगातार तीसरी जीत यह साबित करती है कि जहां शासन मॉडल स्वीकार्य है, वहां एंटी–इंकम्बेंसी भी समाप्त हो जाती है। पुदुचेरी में भाजपा गठबंधन की दूसरी बार सरकार इसी निरंतरता का एक और उदाहरण है। इन पांच राज्यों के नतीजों से साफ है कि भारत में अब कोई एक राजनीतिक ट्रेंड नहीं, बल्कि कई समानांतर ट्रेंड चल रहे हैं।

इन नतीजों को यदि विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखें, तो तीन बड़े ट्रेंड सामने आते हैं। पहला है चयनात्मक एंटी–इंकम्बेंसी। यानी हर राज्य में सत्ता विरोधी लहर नहीं है। जहां सरकार का प्रदर्शन संतोषजनक है, वहां मतदाता उसे दोहराने में संकोच नहीं करता। दूसरा है क्षेत्रीय दलों को चुनौती। यहां बंगाल का परिणाम बताता है कि मजबूत क्षेत्रीय दल भी चुनौती से परे नहीं हैं। और तीसरा है नए विकल्पों की स्वीकार्यता। तमिलनाडु में 'सिने स्टार' से 'सियासी स्टार' बने विजय का उभार यह दर्शाता है कि मतदाता नए चेहरों को मौका देने के लिए तैयार है। इन चुनावों का सबसे बड़ा निष्कर्ष यह है कि भारतीय राजनीति अब एकल नैरेटिव से संचालित नहीं होती। बंगाल में सत्ता परिवर्तन, तमिलनाडु में नए विकल्प का उभार, केरल में वामपंथियों की शिकस्त और कांग्रेस की वापसी तथा असम व पुदुचेरी में स्थिरता– यह विविधता इस बात का संकेत है कि मतदाता अब अधिक सूक्ष्म स्तर पर निर्णय ले रहा है। वह राष्ट्रीय मुद्दों से प्रभावित जरूर होता है, लेकिन अंतिम फैसला स्थानीय अनुभव और नेतृत्व की विश्वसनीयता के आधार पर करता है। इन संकेतों की असली परीक्षा 2027 में होगी, जब उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव होंगे। समय–सीमा के अनुसार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में चुनाव अगले वर्ष की पहली तिमाही में संभावित हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश और गुजरात में वर्ष के अंत में मतदान हो सकता है। लेकिन यह केवल चुनावी कैलेंडर नहीं है। यह उन राजनीतिक प्रवृत्तियों की परीक्षा है, जो अभी उभरकर सामने आई हैं। उत्तर प्रदेश का चुनाव इन सभी ट्रेंड्स का सबसे बड़ा परीक्षण होगा। यहां का जनादेश केवल राज्य की राजनीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दिशा भी तय करता है। सामाजिक समीकरण, कल्याणकारी योजनाएं, कानून–व्यवस्था और विकास जैसे कारक मिलकर यहां चुनावी परिणाम तय करते हैं। बंगाल का उदाहरण दिखाता है कि सत्ता परिवर्तन संभव है, जबकि असम का उदाहरण बताता है कि निरंतरता भी संभव है। उत्तर प्रदेश इन दोनों के बीच संतुलन का मैदान होगा। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सत्ता परिवर्तन की परंपरा रही है। लेकिन अब सवाल यह है कि क्या यह परंपरा जारी रहेगी या मतदाता प्रदर्शन के आधार पर स्थिरता को प्राथमिकता देगा। गुजरात लंबे समय से एक राजनीतिक स्थिरता का उदाहरण रहा है। लेकिन बंगाल के नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी राजनीतिक गढ़ पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। यदि विपक्ष संगठित होता है और स्थानीय मुद्दे उभरते हैं, तो यहां भी मुकाबला रोचक हो सकता है। पंजाब में राजनीति हमेशा परिवर्तनशील रही है। यहां 2027 का चुनाव इस सवाल का जवाब देगा कि क्या मतदाता बार–बार बदलाव चाहता है या अब स्थिर शासन की तलाश में है। केरल के नतीजों ने यह संकेत दिया है कि यदि विकल्प विश्वसनीय हो, तो मतदाता बदलाव से पीछे नहीं हटता। गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में चुनावी परिणाम अक्सर गठबंधन और स्थानीय नेतृत्व पर निर्भर करते हैं। पुदुचेरी के नतीजों ने यह दिखाया है कि छोटे राज्यों में भी निरंतरता संभव है, यदि राजनीतिक प्रबंधन प्रभावी हो।

अंतरिक्ष में चीनी–अमेरिकी संघर्ष के बीच भारत

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्धपीएलएॅ्र कक्षा में उपग्रहों को नष्ट करने के लिए डिजाइन की गई जमीनी मिसाइलों का विकास जारी रखे हुए है। पीएलए ने रोबोटिक भुजाओं, कैमरों और सेंसरों से लैस उपग्रह तैनात किए हैं, जो शत्रु उपग्रहों से निपटने या उनमें हस्तक्षेप करने में सक्षम हैं। चीन, इमेजिंग उपग्रहों को नुकसान पहुंचाने, जैमर के जरिये उनकी क्षमता कम करने, या उन्हें '...

अमेरिका और चीन के बीच अंतरिक्ष को लेकर होड़ में दोनों की महत्वाकांक्षाएं हैं। वहीं भारत की भी मानव अंतरिक्ष उड़ानें लॉन्च करने व चंद्रयान मिशन जैसी योजनाएं हैं। आर्टेमिस–टू की सफलता इसमें मददगार होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियों के बीच अंतरिक्ष में युद्ध छिड़ा, तो भारत के लिए चिंताजनक स्थिति होगी। बीते बुधवार को कांग्रेस की एक सुनवाई में अमेरिकी सांसदों को बताया गया, कि चीन, अमेरिका के लिए 'अंतरिक्ष में सबसे बड़ा खतरा और प्रतिस्पध र्ी' है, जो अपनी खगोलीय क्षमताओं का इस्तेमाल 'कूटनीति और सामरिक प्रभाव के एक हथियार के तौर पर' कर रहा हैय यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब चांद पर पहुंचने की इन दोनों देशों की होड़, और तेज हो गई है। अमेरिका और चीन के बीच अंतरिक्ष को लेकर चल रही होड़ में दोनों देशों का लक्ष्य आने वाले सालों में चांद पर अपने अंतरिक्ष यात्रियों को भेजना है। जहां चीन ने अपनी पहली मानवयुक्त चंद्र लैंडिंग के लिए 2030 का लक्ष्य रखा है, वहीं अमेरिका के आर्टेमिस कार्यक्रम का लक्ष्य 2028 तक अंतरिक्ष यात्रियों को चांद की सतह पर वापस लाना, और 2030 तक वहां एक अंतरिक्ष सैन्य अड्डा बनाना शुरू करना हैय इससे इन दोनों महाशक्तियों के बीच कड़ी टक्कर शुरू हो गई है। 'सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' में एयरोस्पेस सिक्योरिटी प्रोजेक्ट की निदेशक कैरी बिंगेन के हाउस फॉरेन अफेयर्स सब–कमेटी ऑन यूरोप की एक सुनवाई में दी जानकारी के मुताबिक, 'जैसे–जैसे देश मानकों के मामले में अमेरिका या चीन में से किसी एक के साथ जुड़ेंगे, तो जीतने वाला देश न सिर्फ तकनीक देगा, बल्कि वह उन शर्तों को भी तय करेगा, जिनके आधार पर सूचनाओं का आदान–प्रदान होगा। नेटवर्क आपस में काम करेंगे, लेकिन दुनिया को किस नजर से देखा जाएगा?'

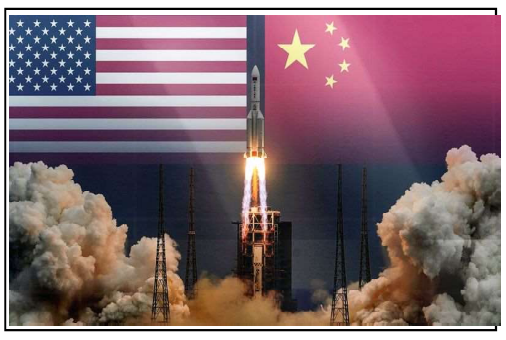

सुनवाई के दौरान फ्लोरिडा के रिपब्लिकन कांग्रेसी रैंडी फाइन के अनुसार, 'जब अंतरिक्ष की बात आती है, तो वह 'चीन को लेकर बहुत चिंतित हैं, जैसा कि मुझे पता है कि और भी कई लोग हैं। मुझे लगता है कि चीन खुद को हमारे साथ युद्ध की स्थिति में देखता है। यह भी कि हम अक्सर इसे उसी नजर से नहीं देखते।'

दरअसल पिछले एक साल में अंतरिक्ष दौड़ में कई अहम घटनाक्रम देखने को मिले हैंय अमेरिका ने अपने आर्टेमिस कार्यक्रम का दूसरा सफल मिशन पूरा किया, वहीं चीन ने अपने 2030 के मून मिशन की तैयारी में कई अहम प्रगति की। अमेरिका ही एकमात्र ऐसा देश है, जिसने इंसानों को सफलतापूर्वक चांद पर पहुंचाया है। दूसरी तरफ चीन, भारत और पूर्व सोवियत संघ सहित अन्य देशों ने चांद की सतह पर रोबोटिक मिशन उतारने में कामयाबी हासिल की।

गत बुधवार को हुई इस सुनवाई का शीर्षक था, 'ऑर्बिट्स ऑफ इन्फ्लुएंस रू यूएस स्पेस सिक्योरिटी'। यह सुनवाई उसी दिन हुई, जिस दिन ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आर्टेमिस–टू के अंतरिक्ष यात्रियों की मेजबानी की थी। इस कार्यक्रम में नासा मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल थे। सुनवाई के दौरान, एयरोस्पेस सिक्योरिटी प्रोजेक्ट की निदेशक कैरी बिंगेन का चीन पर आरोप था कि वह ग्लोबल साउथ में अपनी साझेदारियों का विस्तार करके अंतरिक्ष का इस्तेमाल अन्य देशों पर अपना प्रभाव जमाने के लिए कर रहा है।

जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के स्पेस पॉलिसी इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर स्कॉट पेस के मुताबिक, चीन अपनी महत्वाकांक्षाओं को मशहूर 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के जरिए आगे बढ़ा रहा है, जिसमें पार्टनर देशों को जोड़ने वाला एक बढ़ता हुआ स्पेस कंपोनेंट भी शामिल है। कैरी बिंगेन के खुलासे के मुताबिक, चीन ने 'ग्लोबल साउथ' कहे जाने वाले लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के कई देशों के साथ समझौते किए हैं। बिंगेन के मुताबिक, 'वे स्पेस ग्राउंड एंटीना, ग्राउंड स्टेशन कमांड और कंट्रोल साइट लगा रहे हैं। यह बुनियादी टेक्नोलॉजी है जो उन ग्राउंड स्टेशनों और एंटीना को सरकारी सिस्टम या किसी कमर्शियल सिस्टम के साथ बातचीत करने में मदद करता है।' अमेरिकी एयरोस्पेस सिक्योरिटी प्रोजेक्ट की निदेशक कैरी बिंगेन के मुताबिक, 'चीन, जहां एक तरफ अपना कमर्शियल स्पेस सेक्टर बना रहा है, वहीं उसका यह प्रोग्राम काफी हद तक पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और सरकार द्वारा ही चलाया जा रहा है। इस सुनवाई में शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और रूस के बीच हुई स्पेस रेस का भी जिक्र हुआ, जब रूस, 'सोवियत संघ' के नाम से जाना जाता था।'

20वीं सदी का ज्यादातर हिस्सा मुकाबले में गुजर गया, लेकिन हाल के सालों में हालात बदल गए हैं। इस बारे में बिंगेन के विचार हैं कि जहां रूस अभी भी एक खतरा बना हुआ है, वहीं चीन एक अहम खिलाड़ी के तौर पर उभरा है, जो किसी भी आधुनिक स्पेस प्रोग्राम के इतिहास में सबसे तेज तरक्की में से एक है। कैरी बिंगेन के अनुसार, 'स्पेस में नई ऊंचाइयां छूने की दौड़ जारी हैदृअमेरिका, चीन और रूस, मिलिट्री और सुरक्षा के क्षेत्रों में स्पेस में एक–दूसरे से लगातार मुकाबला कर रहे हैं।' ठीक से देखा जाये, तो यह पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। यहां रक्षा और अंतरिक्ष मामलों के विशेषज्ञ कौशिक रे की यह बात महत्वपूर्ण है कि, 'हालांकि, भारत आर्टेमिस–टू में सीधे तौर पर शामिल नहीं है, लेकिन वह 'आर्टेमिस अकार्ड' का हस्ताक्षरकर्ता है, और इस तरह वह अमेरिका के नेतृत्व वाले चांद की खोज के बड़े इकोसिस्टम का हिस्सा बन जाता है। नतीजतन, आर्टेमिस–टू की सफलता उस ढांचे को मजबूत करती है, जिसमें भारत अब एक हिस्सेदार है।'

800 साल बाद भारत में वो हुआ जिसने हिलाई दुनिया, ये होती है ताकत!

भारत में 800 सालों बाद वो हुआ है जो दुनिया हिलाने के लिए काफी है। पूरी दुनिया के मुस्लिम, ईसाई और वामपंथी अब सालों तक इस बात पर अध्ययन करेंगे कि 800 सालों बाद भारत में यह ऐतिहासिक चीज कैसे हो गई। बंगाल में करीब 800 सालों बाद सनातन धर्म को मानने वाली सरकार आई है। आपको याद दिला दें कि 1204 ईसवी में बख्तियार खिलजी ने बंगाल पर हमला किया था। तब बंगाल के राजा लक्ष्मण सेन थे। बख्तियार खिलजी ने लक्ष्मण सेन को हराकर बंगाल पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 1204 से 1576 तक बंगाल पर तुर्क और अफगानों का क्रूर कब्जा रहा। इसके बाद 1576 से लेकर 1757 तक डकैत और लुटेरे मुगलों ने बंगाल समेत पूरे भारत को लूटा। भारत पर अत्याचार किए। भारत पर यह इस्लामिक कब्जा था।

1757 से 1947 तक बंगाल समेत पूरे भारत पर अंग्रेज आकर बैठ गए। अंग्रेजों ने बंगाल में भयंकर अत्याचार किए। इस दौरान यहां पर ईसाई राज रहा। इसके बाद बंगाल वामपंथी सरकारों के शिकंजे में आ गया। अब 800 साल बाद 2026 में सनातन धर्म को मानने वाले बंगाल की सत्ता में आकर बैठे हैं। आरएसएस का मानना है कि बंगाल सिर्फ एक राजनैतिक लड़ाई नहीं बल्कि एक सिविलाइजेशनल बैटल रहा है।

आपको बता दें कि अगर ऐसा नहीं होता तो बंगाल तेजी से बांग्लादेश बनने की तरफ बढ़ रहा था। लेकिन बंगाल बाल–बाल बच गया। यह सत्य ममता बनर्जी के तीन सबसे मशहूर नारों से साबित होता है। ममता बनर्जी ने पिछले 15 सालों में जमकर तीन नारों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया। पहला था मां माटी मानुष, दूसरा था जय बांग्ला और तीसरा था खेला होबे। आप यह जानकर हैरान हो जाएंगे कि ममता बनर्जी ने ये तीनों नारे बांग्लादेश से चुराए थे। जय बांग्ला 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान शेख मुजीबुर रहमान और मुक्ति वाहिनी का युद्ध नाद था। 1991 में बांग्लादेश चुनाव में बेगम खालिदा जिया की बीएनपी पार्टी ने मां माटी मानुष का नारा लगाया था जिसे ममता बनर्जी ने कॉपी कर लिया। तीसरा नारा खेला होबे 2013 का है। जिसे बांग्लादेश की आवामी लीग के नेता शमीम उस्मान ने दिया था। ममता बनर्जी ने 2021 में बंगाल चुनावों के दौरान इस नारे को भी चुरा लिया।

बंगाल में बीजेपी की प्रचंड जीत पर गदगद ट्रंप, हैरान हुआ बांग्लादेश!

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने इस बार सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में हलचल मचा दी। हर तरफ एक ही चर्चा है बीजेपी की ऐतिहासिक जीत। क्योंकि बीजेपी ने ममता बनर्जी की 15 साल पुरानी सरकार को हटाकर सत्ता पर कब्जा किया है और इस जीत को बड़े राजनीतिक बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। इस चुनाव पर अमेरिका से लेकर बांग्लादेश तक की नजरें बनी हुई थी और जैसे ही नतीजे आए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को उनकी ऐतिहासिक चुनाव जीत पर बधाई दी। वाइट हाउस के प्रवक्ता ने इस बात की जानकारी दी। वाइट हाउस के प्रवक्ता ने यह भी बताया कि हाल ही में फोन पर बात करते हुए ट्रंप ने मोदी से कहा था कि भारत खुशकिस्मत है कि उन्हें ऐसा नेता मिला। आपको बता दें पिछले महीने फोन कॉल के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए अपनी प्रशंसा जताई थी और कहा था कि भारत उनके जैसा नेता पाकर भाग्यशाली। ट्रंप का यह बयान अपने आप में बताता है कि आखिर क्यों पश्चिम बंगाल का यह चुनाव इतना ज्यादा चर्चा में था। वहीं पश्चिम बंगाल में बीजेपी की इस जीत को एक बड़ी राजनीतिक दीवार टूटने जैसा माना जा रहा है। लंबे समय तक ममता बनर्जी और उनकी पार्टी का दबदबा रहा। लेकिन इस बार जनता ने बदलाव का फैसला किया। खुद पीएम मोदी ने दिल्ली में समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल के भाग्य में एक नया अध्याय जुड़ गया है और यह जनता की ताकत की जीत है। इस बीच बांग्लादेश से भी इस चुनाव पर बड़ा बयान सामने आया। बांग्लादेश की सत्तारूढ़ पार्टी बीएनपी के नेता एस के अजीजुल बारी हिलाल ने बीजेपी की जीत पर हैरानी जताई लेकिन साथ ही साथ जीत की बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने के बाद तृणमूल कांग्रेस की हार चौंकाने वाली है। उन्होंने खासतौर पर शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व की तारीफ की और कहा कि उनके नेतृत्व में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की। हलाल ने यह भी उम्मीद जताई कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते पहले की तरह अच्छे और शांतिपूर्ण बने रहेंगे। कुल मिलाकर पश्चिम बंगाल का यह चुनाव सिर्फ एक राज्य का चुनाव नहीं रहा बल्कि इसने भारतीय राजनीतिक की दिशा और दशा दोनों को बदलने का संकेत दिया है और यही वजह है कि इस चुनाव की चर्चा इस वक्त पूरी दुनिया में देखने को मिल रही है।

जिनपिंग से मेरी अच्छी पटती है, ट्रंप ने चीन पहुंचने से पहले खेला दांव!

दुनिया की दो सबसे बड़ी महाशक्तियों के बीच क्या दोस्ती की नई इबारत लिखी जाने वाली है। क्योंकि बीजिंग में होने वाली हाई प्रोफाइल मुलाकात से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सुर बदले हुए नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने ना केवल चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की जमकर तारीफ की बल्कि उन्हें एक बेहतरीन इंसान करा दिया। ओवल ऑफिस में बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मेरे रिश्ते बहुत गहरे हैं। वो एक शानदार इंसान हैं और हमारी आपस में बहुत अच्छी पड़ती। आप देख ही सकते हैं कि हम कैसे मिलकर काम कर रहे हैं। हम चीन के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार कर रहे हैं और सच कहूं तो हम बहुत पैसा कमा रहे हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब 14 और 15 मई को दोनों नेताओं के बीच बीजिंग में मुलाकात होनी है। लेकिन बात सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं। ट्रंप ने इस बार चीन के सम्मानजनक रवैया की भी तारीफ की। ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय तनाव खासकर ईरान और तेल सप्लाई के मुद्दे पर चीन की भूमिका को सराहा है। उन्होंने कहा कि चीन अपनी जरूरत का 60: तेल स्टेट ऑफ होर्मुज से लेता है। लेकिन इसके बावजूद चीन ने कभी अमेरिका को चुनौती देने की कोशिश नहीं की। ट्रंप ने अपने चिर परिचित अंदाज में कहा चीन हमें चुनौती नहीं देता। वो जानते हैं कि जब तक मैं यहां हूं करेंगे। उन्होंने हमेशा अमेरिका के प्रति सम्मान दिखाया। हैरानी की बात यह है कि ट्रंप ने चीन को एक अनोखा सुझाव भी दे डाला। उन्होंने कहा कि चीन को अपनी तेल की सप्लाई के लिए सिर्फ पुराने रास्तों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं। ट्रंप के मुताबिक चीनी जहाजों को अमेरिका के टेक्साज आना चाहिए। उन्हें लुईसियाना और अलास्का के बंदरगाहों का इस्तेमाल करना चाहिए। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अलास्का असल में एशियाई देशों के बहुत करीब है जिसे अक्सर लोग समझ नहीं पाते। ट्रंप का यह नरम रुख बीजिंग वार्ता से पहले एक मास्टर स्ट्रोक हो सकता है। जहां एक तरफ ट्रेड वॉर की तलवार लटकती रहती है। वहीं ट्रंप ने जिनपिंग की तारीफ कर बातचीत के लिए एक सकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश की है।

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म, लेकिन शांति अभी दूर, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पर यूएस विदेश मंत्री का एलान

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार तड़के घोषणा की कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। इसके साथ ही दो महीने से अधिक समय से चल रही अशांति का अंत हो गया है, जो अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए एक बड़े सैन्य संघर्ष के कारण उत्पन्न हुई थी। अली खामेनेई की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने के उद्देश्य से शुरू हुए इस संघर्ष ने तेहरान में भी भारी राजनीतिक उथल–पुथल मचा दी थी। खामेनेई की हत्या के बाद, उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया, जो सत्ता में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में इजराइल की साझेदारी में शुरू किया गया व्यापक सैन्य अभियान, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी, 28 फरवरी को शुरू हुआ और खाड़ी क्षेत्र और व्यापक मध्य पूर्व को तीव्र अस्थिरता और संघर्ष के दौर में धकेल दिया।

ऑपरेशन की समाप्ति की घोषणा करते हुए रुबियो ने कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। हमने इस अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है। हम ऐसी किसी और स्थिति की कामना नहीं करते। हम शांति का मार्ग अपनाना चाहेंगे। ट्रम्प एक समझौते को प्राथमिकता देंगे... जो कि अब तक ईरान ने नहीं चुना है। रुबियो ने क्षेत्र में विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग है, समुद्री स्थिरता को बहाल करने के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया। कई देशों ने – कुछ ने निजी तौर पर और कुछ ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका से अपने जहाजों को मुक्त कराने और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने में मदद करने का अनुरोध किया... और इसलिए राष्ट्रपति ट्रम्प ने आगे बढ़कर उनकी मदद की गुहार सुनी और अमेरिकी सेना को इन फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्देश दिया और यह जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और इस शासन के आर्थिक विनाश के कृत्य को समाप्त करने की दिशा में पहला कदम है। हम यह सिर्फ इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमसे अनुरोध किया गया था, बल्कि इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम ही एकमात्र ऐसे हैं जो ऐसा कर सकते हैं.. राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में, संयुक्त राज्य अमेरिका अपने मित्रों की मदद करेगा।

हम तेहरान जैसे दुष्ट शासनों का डटकर सामना करेंगे और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने में संकोच नहीं करेंगे। तेहरान को कड़ी चेतावनी देते हुए रुबियो ने कहा, "उनके लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका की इच्छाशक्ति को परखने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, कम से कम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शासनकाल में तो बिल्कुल नहीं। उन्होंने बार–बार साबित किया है कि वे अपने कहे पर खरे उतरते हैं। और अगर वे उन्हें चुनौती देंगे, तो अंततः उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा।

आईपीएल 2026 प्लेऑफ का सस्पेंस खत्म! बीसीसीआई ने बताया कहां होंगे Knockout और फाइनल मैच

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को आईपीएल प्लेऑफ का कार्यक्रम घोषित किया, जिसका फाइनल लगातार दूसरे सीजन में अहमदाबाद के प्रतिष्ठित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। क्वालीफायर 1 का मैच 26 मई को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि एलिमिनेटर और क्वालीफायर 2 दोनों क्रमशः 27 और 29 मई को न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होंगे।

टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 31 मई को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जो दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है और जिसने 2023 में आईपीएल फाइनल की मेजबानी भी की थी। लीग चरण के अंतिम दौर में प्रवेश करते ही शीर्ष चार स्थानों के लिए मुकाबला और भी कड़ा हो गया है, ऐसे में प्लेऑफ का कार्यक्रम जारी किया गया है। फिलहाल, तालिका में सबसे ऊपर पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटन्स सभी 12 अंकों पर बराबरी पर हैं, जिससे प्लेऑफ की दौड़ काफी रोमांचक हो गई है।

मूल रूप से फाइनल की मेजबानी बेंगलुरु को सौंपी गई थी। हालांकि, स्थानीय संघ और अधिकारियों की कुछ ऐसी आवश्यकताओं के कारण, जो बीसीसीआई के स्थापित दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर थीं, आयोजन स्थल को स्थानांतरित कर दिया गया है।

प्लेऑफ का कार्यक्रम

क्वालीफायर 1 – 26 मई – एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला

एलिमिनेटर –27 मई – न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

क्वालीफायर 2 – 29 मई – न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

फाइनल – 31 मई – नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद

बीसीसीआई का बड़ा फैसला! बेंगलुरु से छिनी आईपीएल फाइनल की मेजबानी, अहमदाबाद में होगा महामुकाबला

बेंगलुरु के बजाय अहमदाबाद लगातार दूसरे सत्र में 31 मई को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल की मेजबानी करेगा, जबकि क्वालीफायर एक धर्मशाला और दो अन्य प्लेऑफ मैच न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को यह घोषणा की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मौजूदा चौंपियन होने के कारण परंपरा के अनुसार फाइनल बेंगलुरु में खेला जाना था। पिछले साल के अलावा अहमदाबाद ने इससे पहले 2022 और 2023 में आईपीएल फाइनल की मेजबानी की थी। बीसीसीआई ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "आईपीएल फाइनल की मेजबानी के लिए मूल रूप से बेंगलुरु को चुना गया था।

लेकिन स्थानीय संघ और अधिकारियों की कुछ ऐसी मांगों के कारण जो बीसीसीआई के स्थापित दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर थीं, आयोजन स्थल को स्थानांतरित कर दिया गया है।" बोर्ड ने हालांकि कर्नाटक की राजधानी में फाइनल आयोजित करने के लिए की जा रही मांगों का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया है। बोर्ड ने यह भी कहा कि "संचालन और लॉजिस्टिकल से जुड़े मसलों के कारण इस वर्ष प्लेऑफ चरण के मैच तीन स्थानों पर खेले जाएंगे।" बीसीसीआई ने कहा, "क्वालीफायर एक 26 मई को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें भाग लेंगी।

इस मैच के विजेता को फाइनल में सीधा प्रवेश मिलेगा।।" इसमें कहा गया है, "इसके बाद मुकाबले न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होंगे, जहां तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच 27 मई को एलिमिनेटर मैच खेला जाएगा। इसी स्टेडियम में 29 मई को क्वालीफायर दो भी खेला जाएगा।" धर्मशाला में पहली बार आईपीएल प्लेऑफ का कोई मैच खेला जाएगा। एलिमिनेटर में जीत दर्ज करने वाली टीम क्वालीफायर दो में क्वालीफायर एक में हारने वाली टीम का सामना करेगी। इस मैच की विजेता टीम फाइनल में पहुंचेगी। बीसीसीआई ने कहा, "आईपीएल के मौजूदा सत्र का समापन 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ग्रैंड फाइनल के साथ होगा, जो दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है।"

बीसीसीआई के सूत्रों ने बताया कि अहमदाबाद स्टेडियम को उसकी अधिक दर्शकों की क्षमता के कारण प्राथमिकता दी गई क्योंकि फाइनल के लिए अधिक संख्या में दर्शकों के आने की संभावना है। यह भी पता चला है कि एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की अपेक्षाकृत कम क्षमता को देखते हुए बोर्ड कर्नाटक सरकार के उस फैसले से सहमत नहीं है जिसमें राज्य के विधायकों, एमएलसी और सांसदों के लिए इस सत्र में आईपीएल के तीन–तीन मुफ्त टिकटों का कोटा निर्धारित किया गया है।

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की क्षमता लगभग 35,000 दर्शकों की है। पिछले साल आरसीबी के विजय समारोह के दौरान हुई भगदड़ में यहां 11 लोगों की जान चली गई थी। प्लेऑफ का कार्यक्रम इस प्रकार हैरू क्वालीफायर एकरू 26 मई दृ एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला एलिमिनेटरः 27 मई दृ न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ क्वालीफायर दोः 29 मई – न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ फाइनलरू 31 मई दृ नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद।

आईपीएल रिवेंज वीक का महामुकाबला, संजय बांगर ने बताई एसआरएच–पीबीकेएस की ताकत और कमजोरी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच बहुप्रतीक्षित आईपीएल 2026 मुकाबले पर अपने विचार साझा करते हुए इसे चल रहे रिवेंज वीक के दौरान एक महत्वपूर्ण मैच बताया। पीबीकेएस फिलहाल आईपीएल 2026 की पॉइंट टेबल में नौ मैचों में 13 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जिसमें से उसने छह मैच जीते हैं। वहीं, एसआरएच 10 मैचों में 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, जिसमें उसने छह जीत और चार हार दर्ज की हैं। स्टार स्पोर्ट्स पर बोलते हुए, बंगर ने दोनों टीमों के बीच समानता पर जोर दिया और उच्च स्कोर बनाने की उनकी क्षमता को उजागर किया। जियोस्टार के विशेषज्ञ बंगर ने कहा कि दोनों टीमें लगभग 225 रन बनाने में सक्षम हैं और उनके बल्लेबाजों का संयोजन काफी हद तक एक जैसा है। दोनों टीमों का शीर्ष क्रम शानदार फॉर्म में है और उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले तेज गेंदबाजों का समर्थन प्राप्त है, हालांकि मध्य ओवरों में दोनों ही टीमें कुछ कमजोर नजर आई हैं। बंगर ने एसआरएच के हेनरिक क्लासेन और पीबीकेएस के श्रेयस अय्यर जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को इस मैच में देखने लायक खिलाड़ी बताया। उनका मानना थ्है कि इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन मैच के परिणाम के लिए महत्वपूर्ण होगा। बांगर ने कहा कि दोनों टीमें हालिया हार के बाद वापसी करने की कोशिश करेंगी, इसलिए यह एक रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। व्यक्तिगत रूप से, मैं अपनी पूर्व टीम पंजाब किंग्स का समर्थन कर रहा हूं। इस बीच, मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, एसआरएच के मुख्य कोच डेनियल वेटोरी ने पीबीकेएस की हालिया हार और उनके सलामी जोड़ी की उनके प्रदर्शन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। वेटोरी ने बताया कि दोनों टीमों की आक्रामक बल्लेबाजी शैली में समानता है, जो उनकी पारियों की दिशा तय करती है। पीबीकेएस की दोनों हार में उनकी सलामी जोड़ी जाहिर तौर पर कोई स्कोर नहीं बना पाई, इसलिए खेल को लेकर नजरिया बदल जाता है।

6 साल बाद भी नहीं बदली तस्वीर! आदर्श नगर पंचायत पयागपुर में जलभराव से 1500 परिवार हलकान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच/पयागपुर। आदर्श नगर पंचायत पयागपुर के वार्ड नंबर 1 और 12 की सरहद पर स्थित क्षेत्र में जलभराव की विकराल समस्या ने एक बार फिर स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुख्य बाजार से नई बस्ती को जोड़ने वाला यह प्रमुख मार्ग हर साल बरसात में तालाब में तब्दील हो जाता है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि नगर पंचायत बने 6 साल बीत जाने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह मार्ग वार्ड नंबर 1 की आधी आबादी के साथ-साथ वार्ड 12 और वार्ड 4 के निवासियों के लिए जीवनरेखा है। बावजूद इसके, बरसात के दिनों में यहां इतना जलभराव हो जाता है कि आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। स्थिति यह है कि इस जलभराव की चपेट में तीन मंदिर भी आ जाते हैं, जिससे धार्मिक आस्थाओं पर भी असर पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में करीब 175 से अधिक परिवार प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होते हैं, जबकि कुल मिलाकर लगभग 1500 लोगों का जीवन इससे प्रभावित होता है। बरसात के मौसम में यहां जान-माल का खतरा लगातार बना रहता है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या से मुंह मोड़े हुए हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह समस्या नगर पंचायत बनने से पहले से चली आ रही है और अब 6 साल बीतने के बाद भी इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। कई बार शिकायतें और मांगें उठने के बावजूद न तो जल निकासी की समुचित व्यवस्था की गई और न ही सड़क निर्माण का कार्य पूरा कराया गया। स्थानीय निवासियों में अब भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। अब सवाल यह है कि आखिर कब तक "आदर्श" नगर पंचायत की यह बदहाल तस्वीर यूं ही बनी रहेगी?

बहराइच में जनगणना को लेकर तैयारियां पूरी, आज रात से शुरू होगी ऑनलाइन प्रक्रिया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच/उत्तर प्रदेश। प्रदेश में कल से शुरू होने जा रही जनगणना को लेकर बहराइच प्रशासन ने अपनी तैयारियां अंतिम रूप दे दी हैं। जनपद में इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी और सटीक तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन युद्ध स्तर पर काम कर रहा है। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के नेतृत्व में जनगणना कार्यों की लगातार समीक्षा और मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रशासन द्वारा विभिन्न स्तरों पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं, साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाए जा रहे हैं। डीएम अक्षय त्रिपाठी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक जनगणना अभियान में सक्रिय सहयोग करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे आंकड़ों का सटीक संकलन संभव हो सके। इस बार जनगणना को अधिक सरल और प्रभावी बनाने के लिए डिजिटल माध्यमों का विशेष उपयोग किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा वीडियो और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की प्रक्रिया भी लोगों को समझाई जा रही है। मीडिया से बातचीत में डीएम ने बताया कि आज रात 12 बजे से जनगणना की आधिकारिक वेबसाइट शुरू हो जाएगी, जिसके माध्यम से नागरिक ऑनलाइन अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। प्रशासन का लक्ष्य है कि जनगणना पूरी पारदर्शिता, तकनीकी सुविधा और सटीकता के साथ संपन्न हो, ताकि प्रत्येक व्यक्ति की सही गणना सुनिश्चित की जा सके।

पार्किंग में खड़े ट्रकों पर चला शिकंजा, 50 से ज्यादा पर चालान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। सड़क किनारे बेतरतीब खड़े ट्रकों से बढ़ते हादसों के खतरे को देखते हुए आखिरकार यातायात पुलिस एक्शन मोड में नजर आई। थाना दरगाह क्षेत्र के आसाम रोड पर अभियान चलाकर नो पार्किंग में खड़े 50 से अधिक ट्रकों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि लंबे समय से सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों के कारण राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कई बार दुर्घटनाएं होने के बाद भी वाहन चालकों की लापरवाही जारी थी। यातायात पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों पर सख्ती दिखाई गई और उन्हें चेतावनी भी दी गई कि भविष्य में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि अगर समय रहते ऐसे कदम नहीं उठाए जाते, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता था। अब बड़ा सवाल यही है कि क्या यह कार्रवाई स्थायी समाधान बन पाएगी, या फिर कुछ दिनों बाद फिर वही हालात देखने को मिलेंगे।

राधे फाउण्डेशन का हीटवेव जागरूकता अभियान, छात्रों को दिया जीवनरक्षक प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में भीषण गर्मी और बढ़ते हीट वेव के खतरे को देखते हुए राधे फाउण्डेशन द्वारा रामापुर क्षेत्र के आरडीएम पब्लिक स्कूल एवं एसडीजीडी उच्च माध्यमिक विद्यालय में हीट वेव जागरूकता एवं सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभावशाली आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षक रजनी कान्त तिवारी ने छात्र-छात्राओं को हीट वेव के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए लू से बचाव के व्यवहारिक उपाय बताए।उन्होंने समझाया कि तेज धूप में अनावश्यक बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी एवं तरल पदार्थों का सेवन करें, सिर को ढककर रखें तथा शरीर में पानी की कमी न होने दें। साथ ही उन्होंने हीटस्ट्रोक के लक्षणों की पहचान एवं पीड़ित व्यक्ति को समय रहते प्राथमिक उपचार देने की महत्वपूर्ण जानकारी भी दी।प्रशिक्षण सत्र के दौरान छात्रों को आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने,छायादार स्थान पर ले जाने, शरीर को ठंडा रखने तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के तरीके सिखाए गए,जिससे वे स्वयं के साथ-साथ दूसरों की भी सहायता कर सकें।आरडीएम पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य शिवमोहन तिवारी एवं एसडीजीडी विद्यालय के प्रधानाचार्य रवि मोहन श्रीवास्तव ने राधे फाउण्डेशन के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं, जो बच्चों को न केवल सुरक्षित रखते हैं बल्कि उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति भी जागरूक बनाते हैं। कार्यक्रम में शिक्षक रामफेर यादव,रामजागे मिश्रा, विनय गोस्वामी, धर्मेन्द्र कुमार, प्रमिला द्विवेदी, सोनाली मिश्रा सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। वहीं छात्र-छात्राओं में सुरभि तिवारी, श्रवण निषाद, खुशबू जायसवाल, मुस्कान मिश्रा, अभिषेक शुक्ला एवं विवेक पाण्डेय की सक्रिय सहभागिता रही। विद्यालय परिवार एवं स्थानीय लोगों ने राधे फाउण्डेशन के इस जनहितकारी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल बच्चों के लिए उपयोगी हैं,बल्कि पूरे समाज को सुरक्षित और जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सिरौला में खराब पड़ा आरओ प्लांट, ग्रामीणों को पेयजल संकट

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। ब्लॉक हुजूरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सिरौला में स्थापित आरओ (त्व) वाटर प्लांट पिछले कई दिनों से खराब पड़ा है, जिससे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, प्लांट खराब होने की सूचना कई बार पंचायत सचिव को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। वर्तमान में महीप सिंह पंचायत सचिव के पद पर कार्यरत हैं, इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद संबंधित विभाग की ओर से लापरवाही बरती जा रही है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

गर्मी के मौसम में शुद्ध पानी की समस्या और भी गंभीर हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द आरओ प्लांट की मरम्मत कराकर पेयजल व्यवस्था बहाल करने की मांग की है, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में हुआ मतदान, मतगणना आज

हैदरगढ़-बाराबंकी। नगर पंचायत सुबेहा के पूरे पलिहारन वार्ड में .पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सभासद पद का उपचुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ, जो शाम 5 बजे तक चला। इस उपचुनाव में कुल 936 मतदाताओं में से 500 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिससे कुल 54 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान के दौरान केंद्र पर मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला और लोग शांतिपूर्ण तरीके से मतदान करते नजर आए। मतदान संपन्न होने के बाद पोलिंग पार्टियां अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गईं। प्रशासन द्वारा पूरे मतदान प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इस चुनाव में गंगाराम रावत और छेदन रावत के बीच सीधा मुकाबला रहा। दोनों प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 7 मई को मतगणना के बाद होगा।

दबंग ने वृद्ध पर किया जानलेवा हमला, रेफर

सूरतगंज-बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला कोतवाली इलाके की मिर्जापुर मजरे गोवा मंझारा ग्राम पंचायत में सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना प्रकाश आई,जहां 40 वर्षीय संदीप पुत्र राजेंद्र ने अपने ही गाँव के 60 वर्षीय बुजुर्ग हरिप्रसाद पुत्र सुरेंद्र पर उस समय लाठी-डंडों और ईंटों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जब वे घर से बाहर टहलने निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार यह हमला बिना किसी पूर्व विवाद के अचानक किया गया जिससे बुजुर्ग लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। परिजनों द्वारा आनन-फानन में घायल हरिप्रसाद को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज ले जाया गया जहाँ उनकी हालत नाजुक देख हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालत में सुधार न होने और स्थिति और अधिक गंभीर होने पर उन्हें लखनऊ ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है, जहाँ उनकी स्थित नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलते ही मोहम्मदपुर खाला कोतवाली पुलिस मौके पर पहुँची और घटनास्थल का मुआयना किया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह भदौरिया ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही हिरासत में लेकर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

बहराइच में इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में भीषण आग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच के नवाबगंज थाना क्षेत्र में स्थित एक इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी, जिसने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शोरूम में खड़े इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरियों के कारण आग तेजी से फैलती गई, जिससे हालात और गंभीर हो गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। राहत की बात यह रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे कोई बड़ा जनहानि नहीं हुई। बड़ा सवालरू सुरक्षा मानकों में चूक? यह घटना कई अहम सवाल खड़े करती हैकृ क्या शोरूम में उचित फायर सेफ्टी सिस्टम मौजूद था? क्या इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों के लिए मानक स्टोरेज व्यवस्था अपनाई गई थी? क्या नियमित इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस और निरीक्षण किया जा रहा था? विशेषज्ञों के अनुसार, इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में लिथियम-आयन बैटरियां होती हैं, जो आग लगने पर तेजी से भड़क सकती हैं और उन्हें बुझाना भी चुनौतीपूर्ण होता है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह हादसा महज तकनीकी खामी थी या लापरवाही का नतीजा।

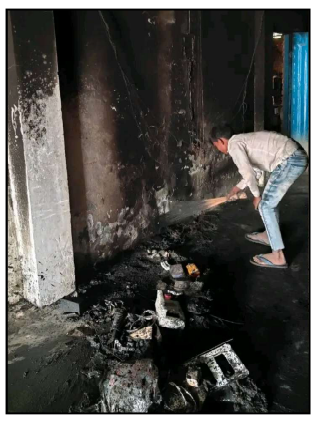

खाद्य पदार्थों में मिलावट की भरमार आमजन के सेहत और जान से खिलवाड़, जांच में मामला खुला

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी का काला कारोबार चरम पर है जिसकी वजह से आमजन की जान और सेहत दोनों ही राम भरोसे है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जारी हालिया आंकड़ों ने आम जनता की सेहत को लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ा दी हैं।विभाग की जांच में सामने आया है कि जिले में बिकने वाला लगभग हर दूसरा खाद्य पदार्थ मिलावटी या अधोमानक है। चर्चा है कि हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान विभाग ने कुल 449 नमूने संग्रहित किए थे। इनमें से 334 नमूनों की प्रयोगशाला रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है, जबकि 115 नमूनों की रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। प्राप्त रिपोर्टों में से 172 नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे, जो दर्शाता है कि बाजार में उपलब्ध खाद्य सामग्री का एक बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।जांच में यह प्रमुखता से सामने आया है कि दूध और उससे बने उत्पादों में सबसे अधिक मिलावट की जा रही है। त्योहारी सीजन में मांग पूरी करने के लिए मिल्क पाउडर और रिफाइंड तेल के मिश्रण से सिंथेटिक पनीर तैयार किया जा रहा है। मिठाइयों को आकर्षक बनाने के लिए दुकानदार तय सीमा से अधिक और घटिया गुणवत्ता वाले रंगों का प्रयोग कर रहे हैं, जो कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बन सकते हैं।दूध,घी, खोया और सरसों तेल जैसे रोजमर्रा के सामानों में भी भारी मिलावट पाई गई है।मिलावटखोरों पर नकेल कसने के लिए विभाग ने अब तक 145 मुकदमे दर्ज कराए हैं। न्यायालय ने इन मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए दोषियों पर कुल 28 लाख 15 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है।इस सम्बन्ध में मुख्य खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अधिकारी संजय कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि जो दुकानदार जुर्माना जमा नहीं करेंगे, उनके लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए जाएंगे। प्रशासनिक सख्ती के बावजूद मिलावटखोरी पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पा रही है।वहीं उपभोक्ताओं को खरीदारी करते समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।खुले सामानों के बजाय पैक्ड और विश्वसनीय ब्रांड्स को प्राथमिकता देना और संदिग्ध सामग्री की शिकायत विभाग से करना ही अपनी और अपने परिवार की सेहत बचाने का एकमात्र रास्ता है।

हादसे में अधेड़ की दर्दनाक मौत

जौनपुर । बदलापुर थाना क्षेत्र के घनश्यामपुर मार्ग स्थित नेश नल हाइवे 731 सरोखनपुर के ओवर ब्रिज के समीप साईकिल सवार की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गयी।खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कारवाही की है।बताते है कि .सुबह संदीप बरनवाल पुत्र अशोक बरनवाल किसी कार्यवश साईकिल से बदलापुर आ रहे थे।ज्योंही वे सरोखनपुर स्थित नेशनल हाइवे के समीप पहुंचे ही थे कि अज्ञात वाहन कि चपेट में आने से उनकी दर्दनाक मौत होगयी घटना कि जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण हेतु मोर्चरी भेज दिया। घटना की खबर और अगल बगल लगे सीसी टीवी फुटेज खगालने में जुटी हुयी है।

उत्तर प्रदेश में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक,आमजन ने ली राहत की सांस

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। उत्तर प्रदेश में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई है।इस फैसले से देवीपाटन मंडल के गोन्डा,बलरामपुर ,श्रावस्ती और बहराइच जनपदो के लगभग 14 लाख बिजली उपभोक्ताओं को राहत मिली है।अब इन जनपदो में नए स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएंगे।प्राप्त जानकारी के अनुसार मंडल में कुल 14 लाख उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने थे,जिनमें से लगभग 2. 19 लाख उपभोक्ताओं के यहां पहले ही मीटर लगाए जा चुके हैं।अब इन सभी मीटरों को प्रीपेड से पोस्टपेड सिस्टम में बदला जाएगा,जिससे उपभोक्ताओं को रिचार्ज करने की आवश्यकता नहीं होगी।जिन 11 लाख 81 हजार उपभोक्ताओं के घरों में अभी तक स्मार्ट मीटर नहीं लगाए गए थे,उनके यहां अब स्थापना पूरी तरह रोक दी गई है।यह निर्णय लागू होने के बाद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को राहत मिली है।चर्चा के मुताबिक गोन्डा बिजली विभाग के मुख्य अभियंता यदुनाथ यथार्थ ने चारों जिलों के अधिकारियों और स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी को तत्काल प्रभाव से काम रोकने का आदेश जारी किया है।पहले से लगे मीटरों को पोस्टपेड में बदलने के निर्देश दिए गए हैं। चर्चा यह भी है कि स्मार्ट मीटर में गड़बड़ियों की शिकायत सबसे पहले गोन्डा के मेहनौन भाजपा विधायक ने की थी।इसके बाद पूरे प्रदेश में इस व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होने लगे।ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के बाद पूरे उत्तर प्रदेश में प्रीपेड स्मार्ट मीटर सिस्टम खत्म करने का निर्णय लिया गया।अब सभी मीटर पोस्टपेड की तरह काम करेंगे।वहीं नई व्यवस्था के तहत उपभोक्ताओं को हर महीने बिजली का बिल मिलेगा और बकाया राशि किस्तों में जमा करने की सुविधा दी जाएगी। बिजली कनेक्शन काटे जाने की संभावना भी समाप्त कर दी गई है।

पश्चिम बंगाल, असम और पाण्डुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय- नितेश पाण्डेय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, जनकल्याणकारी नीतियों और संगठन की मजबूत रणनीति का परिणाम है-

सिद्धार्थनगर। पश्चिम बंगाल, असम और पाण्डुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर भाजपा नेता नितेश पाण्डेय ने पार्टी की इस बड़ी सफलता पर शीर्ष नेतृत्व एवं कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। नितेश पाण्डेय ने कहा कि यह जीत देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, जनकल्याणकारी नीतियों और संगठन की मजबूत रणनीति का परिणाम है। उन्होंने बताया कि जनता ने विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति पर अपना विश्वास जताया है। इस खुशी के मौके पर बर्डपुर क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर जश्न मनाया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। "भारत माता की जय" और "भाजपा जिंदाबाद" के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। नितेश पाण्डेय ने आगे कहा कि यह विजय आने वाले समय में पार्टी को और मजबूती देगी तथा देश को विकास के नए आयामों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इसी एकजुटता और मेहनत से पार्टी लगातार सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही है।यह जीत जनता के विश्वास, विकास और मजबूत नेतृत्व का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" ही देश की ताकत है ।

नये जिलाधिकारी ने कार्यभार ग्रहण किया

जौनपुर । नवागत जिलाधिकारी सैमुअल पाल ने .कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कोषागार में कार्यभार ग्रहण किया इससे पूर्व उन्हें गार्ड आफ आनर दिया गया व सीडीओ ध्रुव खाड़िया, सीआरओ अजय अंबष्ट,एडीएम परमानंद झा व वरिष्ठ कोषाधिकारी उमाशंकर ने उनका स्वागत किया।ज्ञात हो कि रविवार को निवर्तमान जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र का स्थानांतरण विशेष सचिव पद लोक निर्माण विभाग के पद हो गया। 2013 बैच के सैमुअल पाल इससे पूर्व कानपुर में केस्को के प्रबंधक पद पर तैनात थे। इस अवसर पर उन्होंने कोषागार कार्यालय पहुंचकर समस्त आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं, योजनाओं को धरातल पर उतारना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी तथा शिकायत निवारण प्रणाली अंतर्गत आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनपद के समग्र विकास हेतु प्रस्तावित परियोजनाओं पर विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मुख्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में जनपद के समग्र एवं संतुलित विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्य सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं उनके प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। बैठक में जनपद एवं विधानसभा क्षेत्र की विकासात्मक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रस्तावित परियोजनाओं पर गहन विचार–विमर्श किया गया। विशेष रूप से मार्गों के निर्माण एवं चौड़ीकरण, सेतुओं के निर्माण एवं सु.ढ़ीकरण, सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्य, क्षतिग्रस्त मार्गों एवं पुलों के विशेष मरम्मत कार्य तथा आवागमन को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। मा0 जनप्रतिनिधिगण द्वारा क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न

महत्वपूर्ण प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों को जोड़ने वाले संपर्क मार्गों के विकास, जर्जर पुलों के पुनर्निर्माण, दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा उपायों की स्थापना तथा खराब हो चुके मार्गों के त्वरित मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण करते हुए उनकी उपयोगिता एवं आवश्यकता के आधार पर सु.ढ़ एवं व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने अधिकशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, अधिकशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–2 तथा अधिशासी अभियन्ता पीएमजीएसवाई को निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावों का स्थलीय निरीक्षण कर प्राथमिकता तय करें तथा समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने हेतु विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करें। बैठक में निर्देश किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यों को गति प्रदान करें तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने दें। कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप ही निर्माण एवं मरम्मत कार्य संपन्न कराए जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को कहा कि कार्यों में विलंब अथवा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के समग्र विकास के लिए सभी विभागों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी तथा मा0 जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारना सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे आमजन को बेहतर आवागमन सुविधा एवं सुरक्षित परिवेश उपलब्ध कराया जा सके।

सोनभद्र में आईजी का वार्षिक निरीक्षण, अपराध समीक्षा बैठक में सख्त निर्देश

सोनभद्र। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मीरजापुर आर.पी. सिंह

ने बुधवार को जनपद के वार्षिक निरीक्षण के दूसरे दिन पुलिस लाइन परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फील्ड यूनिट, जिला नियंत्रण कक्ष और स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) के कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद आईजी ने जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ एक महत्वपूर्ण अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और अपराध नियंत्रण सहित लंबित मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रूणवाल, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार, समस्त क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के अंत में आईजी आर.पी. सिंह ने कानून–व्यवस्था को और सु.ढ़ करने के लिए कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जनसामान्य की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अपराध नियंत्रण को लेकर स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि चिन्हित अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने विवेचनाओं की गुणवत्ता सुधारने और लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने पर विशेष जोर दिया, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। आईजी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर कानून–व्यवस्था बनाए रखें और जनता के बीच पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत करें।

भाजपा शोहरतगढ़ मण्डल कार्यसमिति की मासिक बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़। नगर पंचायत कार्यालय पर भाजपा शोहरतगढ़ मण्डल कार्यसमिति की मासिक बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा के द्वारा किया गया। इस बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करने के लिए योजना बनाई गई। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को बूथ स्तर पर सत्यापन कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान भाजपा के जिला महामंत्री फूलचंद जयसवाल ने कहा कि किसी भी चुनाव में जीत की नींव मजबूत बूथ संरचना पर टिकी होती है।

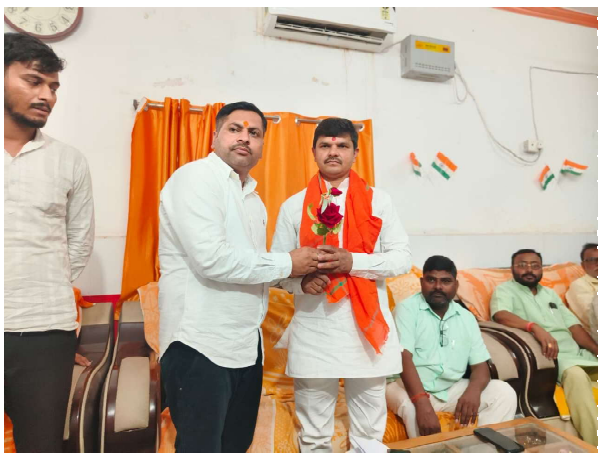

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने–अपने बूथ की जिम्मेदारी समझते हुए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। आगे उन्होंने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित संगठन हैं, जहाँ हर कार्यकर्ता का योगदान महत्वपूर्ण होता है।

इसी क्रम में जिला कार्यालय मंत्री महेंद्र लोधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का देवतुल्य कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम मानकर पार्टी की नीतियों को पूरे समर्पण भाव से आमजन तक पहुंचाता है। आज भाजपा के जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं की देन है की आज पार्टी नित प्रतिदिन आगे बढ़ रहीं हैं। इसका जीता जागता उदाहरण पश्चिम बंगाल, आसाम और पुडुचेरी में हुए चुनावों के विजय परिणाम से स्पष्ट दिखाई दे रहा है। बैठक का संचालन मण्डल महामंत्री अभिषेक चौधरी ने किया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, रामकुमार त्रिपाठी, राजकुमार मोदनवाल,बेचन प्रसाद,चंदन गिरी, धर्मेंद्र प्रजापति,पंकज गौड़,राम मगन यादव,विजय गुप्ता,नरेंद्र पाण्डेय, श्रीराम चौहान, सुधाकर गिरी,मनोज तिवारी, आशीष गुप्ता,लवकुश चौधरी आदि पदाधिकारीगण उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति के तहत किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण' के अंतर्गत जनपद में व्यापक

एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों.जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य.पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को .ष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं व्ज्च् साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा रात्रि में सघन चेकिंग अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में कानून–व्यवस्था को सु.ढ़ बनाए रखने के .ष्टिगत क्षेत्राधिकारी

नगर रणधीर मिश्रा द्वारा रात्रि में स्वर्ण जयंती चौक, बढौली चौक एवं धर्मशाला चौक पर संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की सघन चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान आने–जाने वाले वाहनों की गहनता से जांच की गई तथा संदिग्ध प्रतीत होने वाले व्यक्तियों से पूछताछ कर आवश्यक सत्यापन किया गया। पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में सतर्क .ष्टि रखते हुए निरंतर गश्त की गई। इस दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना अथवा कानून–व्यवस्था की समस्या प्रकाश में नहीं आई। क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था सामान्य एवं सु.ढ़ बनी हुई है।

जल निकासी कार्य पर डीएम की नजर, रॉबर्ट्सगंज में नाले का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को सु.ढ़ बनाने हेतु निर्मित किए जा रहे नाले का जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का गहनता से जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्रोजेक्ट मैनेजर सी0एन0डी0एस0 को निर्देशित करते हुए कहा कि नाले का निर्माण कार्य हर हाल में आगामी बरसात से पूर्व पूर्ण कराया जाए, ताकि वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या से आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने कार्य में तेजी

लाने के साथ–साथ गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की गुणवत्ता की जांच थर्ड पार्टी से कराई जाए, जिससे कार्य की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या मानकों की अनदेखी बिल्कुल स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यदि निर्माण कार्य में गुणवत्ता में कमी या लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य को समयबद्ध एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे रोहित यादव, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, तहसीलदार सदर अमित सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर सी0एन0डी0एस0 रमेश चन्द्र मौर्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस जांच में सिद्धार्थनगर भी आ सकता है घेरे में

आरटीओ-एआरटीओ पर जांच के आदेश, बड़े रैकेट के संकेत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के मामले में परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए आरटीओ और एआरटीओ के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। इस कार्रवाई की आंच अब आसपास के जिलों तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है, जिसमें सिद्धार्थनगर भी जांच के दायरे में आ सकता है।जानकारी के मुताबिक, बस्ती आरटीओ कार्यालय में बड़े पैमाने पर फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाने का मामला सामने आया है। परिवहन आयुक्त को मिली शिकायत के बाद डीआईजी को पत्र लिखकर पूरे प्रकरण की जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं।बताया जा रहा है कि दूसरे जनपदों के लोगों के भी बस्ती से लाइसेंस बनाए गए, जिससे बिना तय प्रक्रिया के लाइसेंस जारी होने की आशंका गहराई है। मामले में एआरटीओ प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है।सूत्रों के अनुसार, करीब 4500 फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाने की बात सामने आई है। इसके साथ ही लाइसेंस बनवाने के नाम पर अवैध वसूली का भी आरोप है।परिवहन आयुक्त ने डीआईजी को निर्देश देते हुए मामले की गहन जांच के साथ दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। वहीं, विभागीय स्तर पर भी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी चल रही है।इस पूरे प्रकरण के सामने आने के बाद परिवहन विभाग में हड़कंप मच गया है। जांच की आंच अब अन्य जिलों तक पहुंच सकती है, ऐसे में सिद्धार्थनगर समेत आसपास के जिलों के आरटीओ कार्यालयों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

मासाछापर खेसिया में सगे भाई की हत्या के बाद पीड़ित परिवार से मिले फूलबदन कुशवाहा, आर्थिक मदद का दिया भरोसा

पडरौना –कुशीनगर।पडरौना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत मासाछापर खेसिया के पोखरा टोला में दो सगे भाइयों के बीच जमीनी विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया, जिसमें लकठु कुशवाहा की निर्मम हत्या कर दी गई। इस हृदयविदारक घटना की सूचना मिलते ही राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य फूलबदन कुशवाहा मृतक के घर पहुँचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। बताया जा रहा है कि उक्त ग्राम पंचायत निवासी दो सगे भाइयों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आवेश में आकर भाई ने लकठु कुशवाहा की हत्या कर दी। घटना के बाद से ही गांव में मातम और तनाव का माहौल है।परिजनों से घटना की पूरी जानकारी लेने के बाद फूलबदन कुशवाहा ने मौके से ही उच्चाधिकारियों से फोन पर वार्ता की। उन्होंने पुलिस प्रशासन को दोषियों के विरुद्ध कड़ी और त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राजा शिवाजी में बड़ी बेगम के लिए विद्या बालन नहीं, अभिनेत्री तब्बू पहली पसंद

रितेश देशमुख द्वारा अभिनीत और निर्देशित पीरियड ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी सिनेमाघरों में गदर काट रही है। छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित इस फिल्म में, विद्या बालन

ने बीजापुर के सुल्तान मोहम्मद आदिल शाह की पत्नी बड़ी बेगम का किरदार निभाया है। हर बार की तरह अभिनेत्री अपने इस किरदार से भी दर्शकों की वाहवाही लूट रही हैं। ताजा जानकारी में पता चला है कि विद्या बड़ी बेगम के किरदार के लिए निर्माताओं की पहली पसंद नहीं थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, ताजुल मुखिदरात बड़ी साहिबा उर्फ बड़ी बेगम की भूमिका के लिए सबसे पहले तब्बू को प्रस्ताव दिया गया था। हालांकि तारीखों की समस्या के कारण उन्होंने प्रस्ताव को ठुकरा दिया। इसके बाद रितेश ने विद्या से संपर्क किया तो उन्होंने तुरंत हामी भर दी। ट्रेलर लॉन्च पर विद्या ने स्वीकारा भी था कि वह इतनी चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने का मौका नहीं छोड़ेंगी, खासकर जब फिल्म हिंदी और मराठी में रिलीज हो रही है। फिल्म में रितेश ने मराठा साम्राज्य और स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभाया है। उनके अलावा जेनेलिया डिसूजा, संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान और भाग्यश्री जैसे सितारे इसका हिस्सा हैं। सलमान खान ने फिल्म में छोटा सा कैमियो करते हुए चार चांद लगा दिया है। फैंस उनकी उपस्थिति से काफी खुश हैं। फिल्म हिंदवी स्वराज्य की स्थापना के लिए क्रूर अफजल खान के साथ छत्रपति के ऐतिहासिक संघर्ष पर आधारित है।

इरफान खान की फिल्म द लास्ट टेनेंट 25 साल बाद हुई रिलीज, यूट्यूब पेज देख सकेंगे

बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता इरफान खान के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है। उनकी करीब

25 साल पुरानी एक फिल्म को आखिरकार रिलीज कर दिया गया है, जिसका शीर्ष द लास्ट टेनेंट है। इसमें अभिनेता के साथ विद्या बालन मुख्य किरदार में नजर आईं हैं, जिन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर में इसमें काम किया था। फिल्म उस वक्त रिलीज नहीं हुई थी, लेकिन अब निर्माताओं ने इसे रिलीज करते हुए इरफान को श्रद्धांजलि दी है। साल 2000 में बनकर तैयार हुई फिल्म द लास्ट टेनेंट को द साल्ट इंक के यूट्यूब पेज पर रिलीज किया गया है। इस फिल्म को सार्थक दासगुप्ता ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि निर्माण उन्होंने नीना के साथ मिलकर किया है। इरफान की 6वीं पुण्यतिथि पर 29 अप्रैल को फिल्म रिलीज हुई, जिससे अभिनेता के फैंस भी इमोशनल हो गए हैं। इस फिल्म में अभिनेता ने एक युवा लड़के का किरदार निभाया है। 2 दशक से भी ज्यादा समय पहले बनकर तैयार होने के बावजूद, द लास्ट टेनेंट को उस वक्त रिलीज नहीं किया जा सका था, क्योंकि इसका मूल फुटेज खो गया था। कई साल तक इस परियोजना पर ताला लग गया। बाद में, निर्देशक को फिल्म का एक पुराना वीएचएस टेप मिला। इसके बाद उन्होंने फिल्म पर दोबारा से काम शुरू किया और आखिरकार इसे यूट्यूब पर रिलीज किया है। इसे अब तक 2 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

राम चरण की पेड्डी में शामिल हुईं श्रुति हासन, डांस नंबर से जीतेंगी जनता का दिल

सुपरस्टार राम चरण की फिल्म पेड्डी का टीजर पहले ही फैंस की उत्सुकता को बढ़ा चुका है। कुछ दिन पहले निर्माताओं ने इसकी रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। यह 4 जून को सिनेमाघरों में आएगी। ताजा जानकारी के अनुसार, फिल्म में श्रुति

हासन को शामिल कर लिया गया है और उन्होंने शूटिंग भी शुरू कर दी है। हालांकि श्रुति किसी किरदार के लिए नहीं, बल्कि हाई–एनर्जी डांस नंबर के लिए फिल्म का हिस्सा बनी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रुति को फिल्म वाराणसी के लिए संपर्क किए जाने की खबरों के बाद इस परियोजना में शामिल किया गया है, जो भारतीय सिनेमा में उनकी बढ़ती मांग और उपस्थिति को और दर्शाता है। अभिनेत्री गाने की शूटिंग कर रही हैं, जिससे पेड्डी में एक और रोमांचक तत्व जुड़ जाएगा। पहले से फिल्म के अन्य गाने चिकरी चिकरी और राय राय रा रा, अपने जोशीले संगीत और शानदार डांस के जरिए यूट्यूब पर धमाल मचा चुके हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी फिल्म पेड्डी, राम चरण की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है। इसकी कहानी 1980 के दशक के ग्रामीण आंध्र प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें अभिनेता एक पहलवान के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में उनकी जोड़ीदार के तौर पर जाह्नवी कपूर नजर आएंगी। वहीं शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में संगीत आस्कर विजेता एआर रहमान द्वारा दिया गया है।

मैं वापस आऊंगा से क्या कमाल है गाना रिलीज, दिलजीत दोसांझ और ए. आर. रहमान की जोड़ी ने जीता दिल

दिलजीत दोसांझ और ए. आर. रहमान की आवाज और संगीत से सजा नया गाना श्क्या कमाल हैय दर्शकों के बीच आ चुका है. यह खूबसूरत ट्रैक इम्तियाज अली की आगामी फिल्म श्मैं वापस आऊंगाय का पहला गीत है, जो उम्मीद और प्रेम का संदेश लेकर आता है.

दो साल पहले फिल्म अमर सिंह चमकीला के जरिए जादू बिखेरने के बाद यह टीम एक बार फिर साथ आई है. इस बार उनके साथ गीतकार इरशाद कामिल भी हैं, जिनकी संवेदनशील लेखनी ने इस गाने को और गहराई दी है. श्क्या कमाल हैय सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक एहसास है जो मुश्किल वक्त में भी उम्मीद की किरण दिखाता है.

इम्तियाज अली की फिल्मों में संगीत हमेशा कहानी का अहम हिस्सा रहा है, और इस बार भी उन्होंने उसी परंपरा को आगे बढ़ाया है. श्क्या कमाल हैय एक सॉन्ग ऑफ होप के रूप में सामने आता है, जो विभाजन काल के दौर में भी जीवित रही मोहब्बत की कहानियों से प्रेरित है. आज के शोर–शराबे और अस्थिरता भरे माहौल में यह गीत हमें याद दिलाता है कि दुनिया में अभी भी प्यार, सुकून और अपनापन बाकी है. इम्तियाज अली का कहना है आज के समय में जब दुनिया कई तरह के संकटों से गुजर रही है, यह गीत लोगों को सकारात्मकता और उम्मीद देने की कोशिश करता है। वहीं दिलजीत दोसांझ ने इस गाने को अपने दिल के बेहद करीब बताया. उनके मुताबिक, यह गीत आपको ठहरकर महसूस करने का मौका देता है बिना किसी बनावट के, पूरी ईमानदारी के साथ.

ए.आर रहमान ने भी इस सहयोग को एक निरंतर रचनात्मक संवाद बताया. उन्होंने कहा, इस फिल्म की थीम जुदाई और विस्थापन को ध्यान में रखते हुए ऐसा संगीत रचा गया है जो शांति और सुकून का अहसास कराए. उनके अनुसार, श्क्या कमाल हैय उस खूबसूरती को दर्शाता है जिसे हम अक्सर दुनिया के शोर में नजरअंदाज कर देते हैं.

गीतकार इरशाद कामिल ने इस गाने को एक सपना बताया है ऐसा सपना जिसमें न दर्द है, न डर. उनके शब्दों में, यह एक ऐसी दुनिया की कल्पना करता है जहां सिर्फ प्यार, शांति और उम्मीद हो.

अब बात करते हैं म्यूजिक लेबल की. कुमार तौरानी ने कहा, हम टिप्स में मानते हैं कि संगीत भारतीय सिनेमा की धड़कन है. दिलजीत दोसांझ और ए.आर. रहमान का यह पहला ओरिजिनल कोलैबोरेशन, वह भी इम्तियाज अली की कहानी के साथ, श्क्या कमाल हैय को बेहद खास बनाता है. यह गाना श्रोताओं के दिलों से गहराई से जुड़ता है और खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ रहता है. यह हमारे उस प्रयास को दर्शाता है, जिसमें हम मिनींगफुल और आत्मीय संगीत दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं.

फिल्म मैं वापस आऊंगा में दिलजीत दोसांझ के साथ नसीरुद्दीन शाह, शरवरी वाघ और वेदांग रैना अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. यह फिल्म अप्लॉज एंटरटेनमेंट और विंडो सीट फिल्म्स द्वारा निर्मित है, जबकि म्यूजिक टिप्स इंडस्ट्री के तहत रिलीज किया गया है. यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. श्क्या कमाल हैय के साथ इस फिल्म ने पहले ही दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनानी शुरू कर दी है, और अब सभी को इसके बड़े पर्दे पर आने का बेसब्री से इंतजार है.

हर महिला को पता होने चाहिए पेट्रोलियम जेली से जुड़े ये हैक्स, त्वचा को बनाएंगे चमकदार

पेट्रोलियम जेली एक ऐसा उत्पाद है, जो आम तौर पर होंठों को नमी देने के लिए इस्तेमाल होता है। हालांकि, इसे कई अन्य तरीकों से भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह त्वचा को नमी देने के साथ–साथ उसे मुलायम और चमकदार भी बनाती है। इस लेख में हम आपको पेट्रोलियम जेली से जुड़े कुछ खास हैक्स बताएंगे, जो आपकी त्वचा को और भी ज्यादा निखार सकते हैं। ये हैक्स सभी महिलाओं को पता होने चाहिए।

मेकअप हटाने के लिए करें इस्तेमाल

पेट्रोलियम जेली को मेकअप हटाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आपके पास मेकअप हटाने वाला उत्पाद नहीं है तो आप पेट्रोलियम जेली का उपयोग कर सकते हैं। यह मेकअप को आसानी से हटाती है और त्वचा को नमी भी देती है। इसके लिए थोड़ी–सी पेट्रोलियम जेली अपनी हथेली पर लें और चेहरे पर हल्के हाथों से मलें, फिर एक गीले कपड़े से साफ कर लें। इससे आपकी त्वचा साफ और ताजगी भरी महसूस करेगी।

सूखे हाथों और पैरों के लिए है फायदेमंद

ठंडे मौसम या लगातार काम करने से अक्सर हाथ और पैर सूख जाते हैं। पेट्रोलियम जेली इसमें भी मदद कर सकता है। सोने से पहले अपने हाथों और पैरों पर अच्छी तरह से पेट्रोलियम जेली लगाएं और फिर मोजे पहन लें। इससे आपकी त्वचा को पूरी रात नमी मिलेगी और अगली सुबह आपके हाथ और पैर मुलायम महसूस होंगे। नियमित रूप से इसका उपयोग करने से आपकी त्वचा हमेशा स्वस्थ और नमी युक्त रहेगी।

कटे–फटे हिस्सों पर लगाएं

अगर आपकी त्वचा पर किसी प्रकार की खरोंच या चोट लग जाए तो उस पर तुरंत पेट्रोलियम जेली लगाएं। यह न केवल घाव भरने में मदद करती है, बल्कि संक्रमण से भी बचाती है। पेट्रोलियम जेली त्वचा को नमी देती है और उसे मुलायम बनाती है। इसके अलावा यह त्वचा को बाहरी प्रदूषकों से भी बचाती है। नियमित रूप से पेट्रोलियम जेली का उपयोग आपकी त्वचा की देखभाल के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है।

रात को पैक की तरह करें इस्तेमालः रात को सोने से पहले अपने चेहरे पर हल्के हाथों से पेट्रोलियम जेली लगाएं। यह आपकी त्वचा को रात भर नमी देगी और सुबह उठने पर आपका चेहरा ताजगी भरा महसूस होगा। पेट्रोलियम जेली आपकी त्वचा को मुलायम बनाती है और उसे पोषण देती है। इसके अलावा यह त्वचा की नमी को बनाए रखने में भी मदद करती है। नियमित रूप से इसका उपयोग करने से आपकी त्वचा हमेशा स्वस्थ और चमकदार बनी रहती है।

पैरों की एड़ियों को करें नरम

पैरों की एड़ियां अक्सर खुरदुरी हो जाती हैं, खासकर अगर आप बिना मोजे पहने चलते हैं या पानी में काम करते हैं। पेट्रोलियम जेली इसमें भी मदद कर सकता है। सोने से पहले अपनी एड़ियों पर अच्छी तरह से पेट्रोलियम जेली लगाएं और फिर मोजे पहन लें। इससे आपकी एड़ियां मुलायम बन जाएंगी और आपको आराम मिलेगा। इन सरल तरीकों से आप पेट्रोलियम जेली का उपयोग करके अपनी त्वचा को स्वस्थ और सुंदर बना सकती हैं।